RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 123 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 25 अप्रैल, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

गौतमबुद्धनगर में कल (26 अप्रैल 2024) को मतदान

मतदान जरूर करें अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दें...

● फूल मंडी में ईवीएम मशीने लेने पहुंचे मतदान कर्मी, कड़ी सुरक्षा

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। लोकसभा चुनाव-2024 के दूसरे चरण के लिए कल (26 अप्रैल 2024) गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में वोट डाले जाएंगे। चुनाव को लेकर जिला प्रशासन और नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। नोएडा के फेस-2 स्थित फूलमंडी में मतदान कर्मी सुबह ही पहुंच गए और दोपहर बाद ईवीएम मशीनें लेकर मतदान स्थलों के लिए रवाना होने लगे। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में 5 विधानसभाएं नोएडा, दादरी, जेवर, सिकन्द्राबाद व खुर्जा आती हैं। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में कुल 26,75,148 वोटर हैं जो अपना नया संसद चुनेंगे।

26 अप्रैल को गौतमबुद्ध नगर सीट में आने वाले क्षेत्र में मतदान होने वाला है। आज मतदानकर्मी नोएडा की फेस-2 स्थित फूल मंडी से ईवीएम मशीनें लेकर रवाना होने वाले हैं। पोलिंग पार्टियों कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम लेकर रवाना होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि जिले में 641 मतदान केंद्र बनेंगे। जिनमें से 1804 बूथ होंगे। इनमें से 7 बूथों की देखभाल महिलाओं के हाथ में होगी। वहां पर हर एक कर्मचारी और अधिकारी महिला होगी। इसके अलावा 4 बूथों की बागडोर दिव्यांगों के हाथ में होगी। वहां पर सभी कर्मचारी दिव्यांग होंगे। उन्होंने बताया कि 5 बूथ युवाओं को समर्पित है। वहां पर कर्मचारियों से लेकर अधिकारी तक सभी युवा है।

सबसे ज्यादा मतदाता नोएडा विधानसभा क्षेत्र में है। अकेले नोएडा विधानसभा क्षेत्र में 7,82,872 मतदाता हैं। उसके बाद दादरी विधानसभा में 7,29,481 मतदाता हैं। तीसरे नंबर पर जेवर में 3,69,824 मतदाता हैं। सिकंदराबाद विधानसभा में 3,99,091 मतदाता हैं। खुर्जा विधानसभा में 3,93,880 मतदाता हैं। कुल मिलाकर गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर 26,75,148 मतदाता हैं। इसमें से सिकंदराबाद और खुर्जा विधानसभा बुलन्दशहर जिले में आती है।

13 राज्यों की 88 सीटों पर कल वोटिंग

लोकसभा चुनाव-2024 के दूसरे चरण में कल 26 अप्रैल को 13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इस चरण में केरल में 20, कर्नाटक में 14, राजस्थान में 13, महाराष्ट्र में 8, मप्र में सात, असम और बिहार में 5-5, बंगाल और छत्तीसगढ़ में 3-3 तथा मणिपुर, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर में 1-1 सीटों पर मतदान होगा।

उत्तर प्रदेश में 8 सीटों पर मतदान

दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। जिसमें गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मेरठ, मथुरा, अलीगढ़, अमरोहा, बागपत व बुलंदशहर लोकसभा सीट शामिल हैं।

डा. महेश शर्मा
प्रत्याशी: भारतीय जनता पार्टी
शैक्षिक योग्यता: एमबीबीएस
पेशा: राजनेता एवं चिकित्सक

राजेन्द्र सिंह सोलंकी
प्रत्याशी: बहुजन समाज पार्टी
शैक्षिक योग्यता: एमए
पेशा: राजनीति

डॉ. महेन्द्र नागर
प्रत्याशी: समाजवादी पार्टी
शैक्षिक योग्यता: एमबीबीएस
पेशा: चिकित्सक शैक्षिक

अखिलेश यादव ने कन्नौज से भरा नामांकन, चार सेट का पर्चा

कन्नौज (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और कन्नौज से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सुब्रत पाठक ने आज नामांकन कर दिया है। बता दें कि एक दिन पहले ही अखिलेश के कन्नौज से चुनाव लड़ने की बात सामने आई थी।

चौथे चरण के लिए 13 मई को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज दोपहर 12 बजे कन्नौज संसदीय सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने चार सेट में अपना पत्र दायर किया है। इस दौरान उनके साथ प्रो. रामगोपाल यादव, सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान, पूर्व विधायक कल्याण सिंह दोहरे और पार्टी के प्रदेश सचिव आकाश शाक्य प्रस्तावक के रूप में मौजूद हैं। उनके नामांकन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

इंतजार कीजिए, बदल सकता है उम्मीदवार : जयंत

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी में बार-बार टिकट बदलने पर तंज कसा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की कन्नौज से उम्मीदवारी पर रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि देखिए, इंतजार कीजिए। हो सकता है कि अगले दिन कोई और उम्मीदवार बन जाए। आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि सच तो ये है कि मैं उत्तर प्रदेश में विपक्ष को जीतते नहीं देख रहा हूं। ये (भारत गठबंधन) वाकई फ्लॉप हो रहा है। इनमें अंदरूनी कलह बहुत है, राज्यों में ये आपस में ही लड़ रहे हैं, इसलिए जब ये चुनाव से पहले लड़ रहे हैं तो चुनाव के बाद इनका अस्तित्व क्या होगा।

घुसपैठियों को कांग्रेस बांट देगी देश की संपत्ति : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की विरासत टैक्स वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मीडिया से बातचीत करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की नजर लोगों की संपत्ति पर है और वह उसे घुसपैठियों के बीच में बांट देगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और देश की आम जनता के प्रति कांग्रेस की मानसिकता कल सामने आ गई। कांग्रेस के घोषणापत्र में भी इसके संकेत थे। सैम पित्रोदा ने कल जो कहा, उसकी वकालत तत्कालीन गृह मंत्री पी.चिदंबरम ने भी की थी। कांग्रेस ने लगभग 60-65 वर्षों तक देश के संसाधनों को लूटा, अब उसकी नजर आम लोगों की संपत्ति पर है। यह उन लोगों के बीच वितरित किया जाएगा जो घुसपैठिए हैं। कौन नहीं जानता कि देश के विभिन्न हिस्सों में करोड़ों घुसपैठियों, रोहिंग्याओं के पीछे कांग्रेस की वोट बैंक नीति है, (शेष पृष्ठ-3 पर)

मायावती ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया

कांग्रेस को उसकी दागदार विरासत से मुक्ति मिलना मुश्किल

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अमेरिका की तरह देश में भी विरासत टैक्स की पैरवी करने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। बृहस्पतिवार को जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उसकी दागदार विरासत से मुक्ति मिलना मुश्किल है। उन्होंने एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा भारत में धन के वितरण की आड़ में अमेरिका की तरह निजी संपत्ति पर विरासत टैक्स की सोच व उसकी पैरवी गरीबों की भलाई का कम व राजनीति से प्रेरित ज्यादा है। यह इनकी गरीबी हटाओ की चर्चित विफलता पर से लोगों का ध्यान बांटने का चुनाव प्रयास लगता है। जहां तक भारत में संपत्ति व सरकारी भूमि वितरण आदि से जुड़े मामलों में दलितों व (शेष पृष्ठ-3 पर)

पीएम मोदी और राहुल को नफरती भाषणों पर नोटिस

29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नफरती भाषणों को गंभीरता से लिया है। आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पीएम मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषणों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजा गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजस्थान में बांसवाड़ा में एक चुनावी जनसभा के दौरान दिए गए बयान की शिकायत कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की थी। वहीं राहुल के बयान की भी शिकायत भाजपा ने की थी। इस पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक दोनों पार्टियों से जवाब मांगा है।

भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी और धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के नाम पर लोगों के बीच नफरत फैलाने और अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था।

रिकॉर्ड जीत के लिए भाजपा की नोएडा टीम ने झोंकी ताकत

नोएडा से मिलेगी जीत की सर्वाधिक लीड : मनोज गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। कल 26 अप्रैल को गौतमबुद्धनगर लोकसभा का चुनाव होना है। इस बार नोएडा में रिकार्ड मतदान के लिए भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर की टीम ने पूरी ताकत झोंक दी है।

भाजपा के महानगर अध्यक्ष लगातार सभी मंडलों एंव बूथों की बैठक करके चुनावी प्रबंधन की रणनीति तय कर रहे हैं। वहीं हर मतदाता को घर से निकालकर पोलिंग बूथ तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को जागरूक कर रहे हैं। इसी कड़ी में पिछले कई दिनों से लगातार सभी पदाधिकारियों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों तथा मंडलों एवं बूथ पदाधिकारियों की बैठकें की जा रही हैं।

अधिक से अधिक मतदान के लिए महानगर अध्यक्ष के अलावा उसके साथ महामंत्री उमेश त्यागी, महामंत्री गणेश जाटव, मंत्री मचन अवाना तथा अन्य पदाधिकारी तूफनी बैठक कर रहे हैं।

मनोज गुप्ता

उमेश त्यागी

गणेश जाटव

चमन अवाना

उमेश यादव

रामनिवास यादव

भाजपा अध्यक्ष मनोज गुप्ता का कहना है कि इस बार भी पूर्व की तरह नोएडा विधानसभा डा. महेश शर्मा की जीत का रिकार्ड अंतर बनाएगा। उन्होंने नोएडा के मतदाताओं से अपील की है वहीं सभी कार्यकर्ताओं से सर्वाधिक मतदान के लिए पूरी ताकत झोंकने की भी अपील की ह।

वहीं भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रामनिवास यादव, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश पहलवान, महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी, शहरी विकास मोर्चा अध्यक्ष डा. प्रसेनजीत मैत्रा, प्रवेश चौहान, किसान मोर्चा अध्यक्ष ओमवीर अवाना भी अपने कार्यकर्ताओं के संग बैठक कर रहे हैं।

गर्मी में बच्चों को राहत, स्कूल टाइमिंग में बदलाव

लखनऊ (एजेंसी)। मौसम विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। इसी को देखते हुए उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी में क्लास एक से आठ तक के परिषदीय और मान्यता प्राप्त स्कूलों की टाइमिंग बदल गई। आदेश के अनुसार सभी स्कूल सुबह 7:30 बजे से 1 बजे तक खुलेंगे। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में क्लास 12 तक के सभी कॉलेजों की टाइमिंग में भी बदलाव कर दिया गया है।

बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव यतीन्द्र कुमार की ओर से 24 अप्रैल को जारी पत्र में टाइमिंग चेंज करने का आदेश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि शैक्षिक सत्र 2024-25 में यूपी बेसिक शिक्षा विभाग परिषद के अधीन संचालित परिषदीय और मान्यता प्राप्त सभी स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित किए जाएंगे। इस संबंध में विशेष सचिव ने बेसिक शिक्षा निदेशक को लिखे गए पत्र में इस आदेश का पालन कराने के लिए कहा है।

वहीं उत्तर प्रदेश की बेसिक शिक्षा विभाग के फैसले के बाद अब लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने भी उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सभी क्लास 12 तक के स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव कर दिया गया है। इसके साथ ही डीएम लखनऊ ने 25 अप्रैल से अगले आदेश तक 12वीं क्लास के सभी स्कूलों की टाइमिंग सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक कर दी है। डीएम सूर्यपाल गंगवार का यह आदेश उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सभी सरकारी, गैर सरकारी और प्राइवेट स्कूलों पर लागू किया जाएगा। हालांकि डीएम लखनऊ ने दोपहर के समय बढ़ते तापमान और छात्र-छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी स्कूल कॉलेजों की टाइमिंग में बदलाव करने का फैसला लिया है।

आक्रामक चुनाव

प्रधानमंत्री मोदी ने 'हिंदू-मुसलमान' बयान देकर लोकसभा चुनाव को आक्रामक बना दिया है। हिंदू माताओं, बहनों के 'पवित्र मंगलसूत्र' और सोना-चांदी के जवाहरात को लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की जो घेराबंदी की है, उससे चुनाव के आगामी चरणों की दशा-दिशा तक बदल सकती है। ध्रुवीकरण ऐसा देखा-महसूसा जा सकता है कि चुनाव दोफाड़ हो जाएं! सवाल है कि प्रथम चरण के कम मतदान ने भाजपा का आत्मविश्वास क्या यहां तक हिला दिया है कि पार्टी को अपने आजमाए, पुराने 'हिंदू-मुस्लिम' फॉर्मूले की सियासत पर लौटना पड़ा है? क्या भाजपा के बुनियादी मतदाता ने प्रधानमंत्री मोदी से ऐसी ही आक्रामक और सांप्रदायिक टिप्पणी की अपेक्षा की थी? प्रधानमंत्री ने यह सार्वजनिक बयान देकर खासकर हिंदू महिलाओं को उकसाने की कोशिश की है कि मां-बहनों के 'मंगलसूत्र' और सोने-चांदी के गहनों को छीन कर ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों, मुसलमानों और घुसपैठियों में बांट दिए जाएंगे। नौकरीपेशा लोगों के कमाए हुए धन और जमीन-मकान का भी सर्वे कराया जाएगा। यदि आपके पास दो घर हैं, तो एक घर छीन लिया जाएगा और उसे मुसलमानों में बांट दिया जाएगा। कांग्रेस की यह नक्सलवादी सोच उसके चुनाव घोषणा-पत्र में साफ दिखती है। क्या आप ऐसी सरकार बनने देंगे? देश के आर्थिक संसाधनों पर 'शहरी नक्सलियों' का कब्जा होगा। बेहद अहम सवाल तो यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुसलमानों को 'घुसपैठिया' क्यों कहा? देश की करीब 15 फीसदी आबादी अल्पसंख्यक जरूर है, लेकिन मुसलमान भी देश के नागरिक हैं। उनके भी संवैधानिक, मौलिक अधिकार हैं। यदि प्रधानमंत्री ने रोहिंग्या का जिक्र किया है, तो उनका स्पष्ट नाम लेना चाहिए था। यह मुद्दा तो संसद तक में गूंजता रहा है। प्रधानमंत्री ने किस आधार पर ऐसा बयान दिया है कि हिंदू माताओं-बहनों के 'मंगलसूत्र' तक बांट दिए जाएंगे? प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 9 दिसंबर, 2006 को 'राष्ट्रीय विकास परिषद' की बैठक में दिए गए बयान की व्याख्या भी गलत की है। डॉ. सिंह ने तब नई योजनाओं के संदर्भ में दलित, आदिवासी, ओबीसी, महिलाओं और बच्चों के संग मुस्लिम अल्पसंख्यकों की भी बात कही थी। देश के संसाधनों पर मुस्लिम अल्पसंख्यक सबसे पहला दावा करते रहे हैं, पूर्व प्रधानमंत्री ने उन पर भी सोचने की बात कही थी। संसाधनों पर प्रथम अधिकार किसी भी समुदाय का नहीं हो सकता। तब पूर्व प्रधानमंत्री के बयान की भी तीखी आलोचना की गई थी। एक समुदाय के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता हो सकती है। भाजपा की प्रतिबद्धता बहुसंख्यक हिंदुओं के प्रति है। प्रधानमंत्री का सूत्रवाक्य 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासज' भी सवालिया होता लगता है। वैसे भी 17 साल 4 महीने पुराना बयान आज अप्रासंगिक है, क्योंकि बीते 10 साल से तो देश में मोदी सरकार है। उसकी नीतियां देश के सामने हैं। कांग्रेस के चुनाव घोषणा-पत्र में ऐसा कोई भी वायदा नहीं है, जैसा प्रधानमंत्री ने बताया है। 'मंगलसूत्र' छीनने और बांटने की भी घोषणा नहीं की गई है। यह व्याख्या प्रधानमंत्री ने की है। बेशक जातीय जनगणना, जातियों-उपजातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का पता लगाने, मुसलमानों के सशक्तिकरण, सर्वे के आधार पर भागीदारी और अधिकार तय करने की बात घोषणा-पत्र में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हैदराबाद की रैली में कहा था कि यह आर्थिक सर्वे भी कराया जाएगा कि किस वर्ग के पास कितना धन है। इसमें मां-बहनों के 'मंगलसूत्र' और गहने कहां से आ गए? राहुल गांधी ने आर्थिक असमानता की बात कही थी, जो गलत नहीं है। जब कोई सरकार ऐसी नीति बनाएगी कि अरबपतियों के कमाए धन को आम जनता में बांटा जाएगा, तो उसके निपटारे के लिए संसद और सर्वोच्च अदालत मौजूद हैं। भारत कोई 'केला गणतंत्र' नहीं है। चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को है और भाजपा ने अपने काडर और नेताओं में 'मंगलसूत्र' और आम आदमी की कमाई को लूट कर बांटने की सियासत फूंक दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का वक्त मांगा है, ताकि वह अपने घोषणा-पत्र का स्पष्टीकरण दे सकें। वह प्रधानमंत्री की भी सफाई मांग सकते हैं कि ऐसा कहां लिखा गया है, जो आपने उद्धृत किया है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रामचंद्रजी समुद्र हैं तो धीर संत पुरुष मेघ हैं। श्री हरि चंदन के वृक्ष हैं तो संत पवन हैं। सब साधनों का फल सुंदर हरि भक्ति ही है। उसे संत के बिना किसी ने नहीं पाया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अस बिचारि जोइ कर सतसंगा। राम भगति तेहि सुलभ बिहंगा॥

ऐसा विचार कर जो भी संतों का संग करता है, हे गरुड़जी उसके लिए श्री रामजी की भक्ति सुलभ हो जाती है॥10॥

दो0-ब्रह्म पयोनिधि मंदर ग्यान संत सुर आहिं।
कथा सुधा मथि काढ़हिं भगति मधुरता जाहिं॥

ब्रह्म (वेद) समुद्र है, ज्ञान मंदराचल है और संत देवता हैं, जो उस समुद्र को मथकर कथा रूपी अमृत निकालते हैं, जिसमें भक्ति रूपी मधुरता बसी रहती है॥

बिरति चर्म असि ग्यान मद लोभ मोह रिपु मारि।
जय पाइअ सो हरि भगति देखु खगेस बिचारि॥

वैराग्य रूपी ढाल से अपने को बचाते हुए और ज्ञान रूपी तलवार से मद, लोभ और मोह रूपी वैरियों को मारकर जो विजय प्राप्त करती है, वह हरि भक्ति ही है, हे पक्षीराज! इसे विचार कर देखिए॥

पुनि सप्रेम बोलेउ खगराऊ। जौं कृपाल मोहि ऊपर भाऊ॥।
नाथ मोहि निज सेवक जानी। सप्त प्रस्न मम कहहु बखानी॥

पक्षीराज गरुड़जी फिर प्रेम सहित बोले- हे कृपालु! यदि मुझ पर आपका प्रेम है, तो हे नाथ! मुझे अपना सेवक जानकर मेरे सात प्रश्नों के उत्तर बखान कर कहिए॥

प्रथमहिं कहहु नाथ मतिधीरा। सब ते दुर्लभ कवन सरीरा॥
बड़ दुख कवन कवन सुख भारी। सोउ संछेपहिं कहहु बिचारी॥

हे नाथ! हे धीर बुद्धि! पहले तो यह बताइए कि सबसे दुर्लभ कौन सा शरीर है फिर सबसे बड़ा दुःख कौन है और सबसे बड़ा सुख कौन है, यह भी विचार कर संक्षेप में ही कहिए॥ (क्रमशः....)

मछुआरों, महिलाओं और स्थानीय संस्कृति का सहारा

अपने दम पर बहुमत के साथ लगातार दो बार से केंद्रीय सत्ता को संभाल रही भारतीय जनता पार्टी के लिए तमिलनाडु और केरल अब तक प्रश्न प्रदेश रहे हैं। इस लिस्ट में 25 सीटों वाले आंध्र प्रदेश को भी शामिल किया जा सकता है। 'अबकी बार चार सौ पार' के नारे में दक्षिण का अभेद्य बना किला फतह करने की कोशिश भी शामिल है। पार्टी को पता है कि जब तक वह अभेद्य समझे जाने वाले दक्षिण के दुर्ग में जोरदार सेंध नहीं लगाएगी, उसका यह नारा जमीनी हकीकत के नजदीक नहीं पहुंच पाएगा। यही वजह है कि पार्टी का शिखर नेतृत्व लगातार तमिलनाडु पर अपना ध्यान फोकस किए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दक्षिण भारत की लगातार जारी चुनावी और सामान्य यात्राएं इन्हीं कोशिशों का उदाहरण है। तमिलनाडु में चुनाव बीत चुके हैं। राज्य के चुनाव नतीजों को लेकर अटकलबाजी और दावे-प्रतिदावों का दौर जारी है।

तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे। लोकसभा सीटों के लिहाज से दक्षिण भारत के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 2019 के आम चुनावों में भी अमित शाह ने पूरा जोर लगाया था। फिर भी पार्टी को 2014 के साढ़े पांच प्रतिशत के मुकाबले महज 3.6 फीसद वोट से ही संतोष करना पड़ा था। राज्य में इस बार चुनाव हो चुका है। जिस तरह मोदी और शाह की जोड़ी ने इस बार राज्य में जोर लगाया, इसकी वजह से इस बार पार्टी की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। इसकी वजह है पार्टी की अरसा पहले से जारी तैयारी और तमिलनाडु में तेज-तर्रार और युवा अन्नामलाई के हाथ में पार्टी की कमान। अन्ना मलाई की सभाओं में उमड़ती रही भीड़ पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ाने में मददगार बनती रही। अन्ना मलाई ने सात महीने तक 'एन मन, एन मक्कल' नाम से राज्यव्यापी यात्रा की, जिसमें खूब भीड़ जुटी। इस यात्रा की बीजेपी हलके में महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका समापन खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अन्ना मलाई का नाम अपनी सभाओं में खूब लेते हैं। अन्ना मलाई को उस कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारा गया है, जिस पर 1998 और 1999 में पार्टी का कब्जा रहा। उस वक्त इस सीट की नुमाइंदगी करने वाले सीपी राधाकृष्णन इन दिनों झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके जिम्मे तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का चार्ज भी है। जब

सीपी राधाकृष्णन कोयंबटूर से सांसद चुने गए थे, तब वे 41 साल के युवा थे। यह संयोग है कि कुछ और कि अन्ना मलाई इन दिनों चालीस की उम्र पूरी करने वाले हैं। यानी अगर कोयंबटूर से वे जीतते हैं तो वे भी सीपी राधाकृष्णन की तरह युवा ही होंगे।

भारतीय जनता पार्टी की शिखर यात्रा की ओर जब हम देखते हैं तो पता चलता है कि उसने जिस राज्य में भी पैर जमाया, वहां वह पहले छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में वह अपना प्रभाव बढ़ाते हुए बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है और मौका मिलते ही शिखर पर पहुंच जाती है। दो चुनाव पहले तक बीजेपी हरियाणा और पश्चिम बंगाल में इंडियन नेशनल लोकदल और तृणमूल कांग्रेस के छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में उसने प्रभाव बढ़ाया। अब हालत यह है कि हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है तो तृणमूल कांग्रेस उसकी चुनौती से पार पाने का उपाय खोज रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति महाराष्ट्र में रही। पहले वह शिवसेना की बी टीम की तरह काम करती रही और पिछले कुछ चुनावों से वह पहले नंबर पर आ गई है। पंजाब में इसी तरह वह 1997 से लगातार शिरोमणि अकाली दल की बी टीम रही और इस बार उसने खुद को अकेले मैदार में उतार दिया है। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी 1998 में डीएमके के साथ रही तो 1999 में एडीआईएमके की जूनियर पार्टनर बनी। 2014 तक वह अन्ना द्रमुक के साथ रही, लेकिन अब वह तकरीबन अकेले दम पर आगे आ रही है।

हाल के दिनों में पार्टी तार्किक रणनीति के साथ मैदान में उतरती रही है। उसके वायदों और शासन के तरीके पर सवाल जरूर उठ सकते हैं, लेकिन रणनीतिक कदम के लिए उसकी प्रशंसा करनी होगी। प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु को हल करने के लिए पार्टी ने अरसा पहले काम शुरू कर दिया था। केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम शुरू कराया, एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इसके जरिए राज्यों को उनके पारंपरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के साथ जोड़ना शुरू किया। इसके तहत तमिलनाडु का काशी से संगम शुरू हुआ। काशी भगवान भोलेनाथ की नगरी है और तमिलनाडु में शैव परंपरा को मानने वालों की अच्छी-खासी संख्या है। महाशिवरात्रि के वक्त काशी में तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक के यात्रियों की बाढ़ रहती है। काशी और तमिलनाडु के करीबी रिश्तों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल दिलों में उतरने की कोशिश साल 2022 में तेज की। काशी-तमिल संगमन इसकी अगली कड़ी के रूप में सामने आया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में विकास योजनाओं की तेजी लाने की कोशिश की। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को पूरा करने का आश्वासन के साथ ही मछुआरों के कल्याण पर काम तेज हुए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में रोड शो किए।

तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां की 87 फीसद आबादी हिंदू है। इसके बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि मारन ने सनातन धर्म पर हमला बोला। भारतीय जनता पार्टी को इस बयान ने मौका दे दिया। जिसके खिलाफ ना सिर्फ प्रधानमंत्री मुखर हुए, बल्कि अमित शाह ने भी हमला बोला। तमिलनाडु के लोग एक बात पर खूब जोर देते हैं कि उनके यहां धार्मिक कार्ड नहीं चलता। इसीलिए बीजेपी का हिंदुत्व का मुद्दा भी नहीं चलेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रोड शो में उमड़ी भीड़ हो या अमित शाह के कार्यक्रमों में जुटती भीड़, इस धारणा को कमजोर कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा हिंदुत्ववादी राजनीति को दो दशक पहले तक उत्तर भारत में इतना तवज्जो नहीं मिलता था कि वह केंद्रीय सत्ता की अपने दम पर दावेदारी कर सके। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी जोर लगाती रही । पार्टी तमिल सांस्कृतिक परंपराओं मसलन जलीकट्टू की बहाली का जहां समर्थन कर रही है, वहीं वह तमिल मार्का सनातन की प्रतिष्ठा पर भी जोर दे रही है। पार्टी ने पीएमके और टीएमसी(एस) जैसी कुछ छोटी पार्टियों के साथ जातीय गणित भी साधने की कोशिश की है। इन कोशिशों से उपजी आस ही है कि पार्टी इस बार राज्य की 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी 16 सीटें अपने सहयोगियों के लिए छोड़ दी है।

बीजेपी की कोशिशों के बावजूद हाल ही में आई एक सर्वे रिपोर्ट ने पार्टी को एक भी सीट नहीं दिया। हालांकि सर्वे करने वाली एजेंसी भी मान रही है कि राज्य में बीजेपी का वोट बैंक बढ़ने जा रहा है। वैसे याद किया जाना चाहिए कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सर्वे एजेंसियों ने बीजेपी की जीत की उम्मीद नहीं के बराबर जताई थी। लेकिन जब नतीजे आए तो सर्वे एजेंसियों के नतीजों के उलट थे। भारतीय जनता पार्टी ठीक उसी अंदाज में तमिलनाडु से भी उम्मीद लगाए हुए है।

दक्षिण भारत में लोकसभा की 132 सीटें हैं, जिनमें सिर्फ 29 सीटें ही बीजेपी के पास हैं। उनमें से सबसे ज्यादा 25 सीटें कर्नाटक की हैं, जबकि चार तेलंगाना की। पार्टी इस बार भी कर्नाटक में बेहतर करते नजर आ रही है। तेलंगाना में भी वह मुकाबले में है। इसके बाद उसका सारा ध्यान तमिलनाडु पर ही है। इसलिए वह मछुआरों, महिलाओं और युवाओं पर जहां उम्मीद लगाए बैठी है, वहीं पार्टी को एआईडीएमके की कमजोरी से विपक्षी खेमे में उपजे शून्य को भरने की भी आस है।

- उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

बॉलीवुड और नेतागिरी

लोकसभा चुनाव नजदीक हैं। वहीं चुनाव से पहले माहौल को रोचक बनाने में सिनेमा भी कदमताल कर रहा है। अनेक स्टार पुराने चुनावों की तरह इस बार भी चुनावी मैदान में हैं। हिंदी सिनेमा इंडस्ट्री को बॉलीवुड के नाम से जाना जाता है। वहीं साउथ की फिल्मों को टॉलीवुड, कॉलीवुड और अमरीकी फिल्मों को हॉलीवुड कहा जाता है। दुनिया में सबसे ज्यादा फिल्में बनाने का रिकॉर्ड भारत के नाम है। फिल्म सिर्फ मनोरंजन का साधन ही नहीं है, बल्कि समाज से संवाद का एक बड़ा माध्यम भी है। कई फिल्में सच्ची घटनाओं पर आधारित होती हैं, जो हमें अतीत की झलक देती हैं। सिनेमा लोगों की सोच बदलने में बड़ी भूमिका निभाता है। फिल्में हमें हंसा सकती हैं, रुला सकती हैं, सोचने पर मजबूर कर सकती हैं और हमें प्रेरित कर सकती हैं। यह एक ऐसा शक्तिशाली माध्यम है, जो लोगों के जीवन को कई तरह से प्रभावित करता है। बॉलीवुड में मशहूर अभिनेताओं के राजनीति में आने की शुरुआत सबसे पहले जवाहर लाल नेहरू के समय में हुई थी। इंदिरा फाइल्स नाम की बुक में बताया गया है कि कैसे इस समय के शीर्ष नेता ने उस वक्त के जाने-माने अभिनेता दिलीप कुमार का राजनीति में इस्तेमाल किया था। सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानीकारी के अनुसार 'एक बार इनकम टैक्स से संबंधित दिलीप कुमार का कोई केस फंस गया था तो उन्होंने तत्कालीन शीर्ष नेता से मदद मांगी।

सुनते हैं कि नेता जी ने उनकी मदद तो कर दी, मगर बदले में उस समय के महाराष्ट्र के नेता से कह दिया कि इनका इस्तेमाल करो। शायद यह पहली बार था जब किसी अभिनेता को राजनीति में शामिल किया गया। लगातार चुनावी प्रचार के लिए दिलीप कुमार को उतारा गया।' एक दौर ऐसा भी आया जब दिवंगत संजय गांधी ने चुनाव प्रचार के लिए दिलीप कुमार को रायबरेली बुलाया। दिलीप कुमार रायबरेली फुरसतगंज हवाई अड्डे पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्होंने दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन कोई लेने ही नहीं आया। फिर किसी से लिफ्ट लेकर संजय गांधी के पास पहुंचे। वहां जाकर पता चला कि रैली तो अगले दिन है। ऐसे ही कई किस्से हैं। दूसरे अभिनेताओं को भी राजनीति में शामिल किया जाने लगा। फेहरिस्त काफी लंबी है। साल 1975 में इमरजेंसी के समय सदाबहार अभिनेता किशोर कुमार और देवानंद के गाने बैन कर दिए गए थे। इससे देवानंद ने नाराज होकर सरकार के खिलाफ लडने् के लिए एक राजनीतिक पार्टी बना ली थी। 1977 में इमरजेंसी हटने के बाद चुनाव से पहले तमाम फिल्मी सितारों ने एकजुट होकर सत्ता बदलने के लिए नेशनल पार्टी का गठन किया था। अभिनेता देवानंद पार्टी के अध्यक्ष थे। साल 1979 में बॉलीवुड की नेशनल पार्टी ने मुंबई के शिवाजी पार्क में पहली रैली की थी। रैली में लोगों का जनसमूह देख तमाम राजनीतिक पार्टियां हैरान रह गई थी। देवानंद के अलावा शत्रुघन सिन्हा, धर्मेंद्र, हेमामालिनी, संजीव कुमार जैसे अनेक सितारे भी पार्टी से जुड़े थे।

हालांकि राजनीतिक दबाव के चलते धीरे-धीरे नेशनल पार्टी में शामिल सभी फिल्मी सितारे किनारा करने लगे। देवानंद अकेले ही पार्टी में रह गए थे। चुनाव से पहले राजनीति से प्रेरित फिल्मों का आना भी नई बात नहीं है? ऐसा इमरजेंसी के समय से देखने को मिल रहा है। हालांकि बदलते समय के साथ अब ऐसा ज्यादा होने लगा है। याद होगा सबसे पहले 1975 में राजनीति से प्रेरित फिल्म 'आंधी' रिलीज हुई थी। फिल्म पर इंदिरा गांधी की जिंदगी से जुड़े होने का आरोप लगा था। इमरजेंसी के समय सरकार ने इस फिल्म पर बैन लगा दिया

यही वजह है कि अपनी प्रसिद्धि को देखते हुए फिल्मों के कलाकार राजनीति में आ तो जाते हैं, पर कम ही लंबी पारी खेल पाने में सफल होते हैं। फिल्म के पर्दे की राजनीतिक दुनिया से एक अपनी अलग ही दुनिया और अलग ही दास्तां है। यहां सफलता पर दर्शकों की तालियों की गूंज बार-बार सुनाई देती है। लेकिन फिल्मी स्टार से नेता बनने के बाद मन में दबी-छुपी आशंकाएं जन्म लेती हैं। ऐसे में अपनों से टकराहट, शिकायत और उलाहने के दौर के बीच की भी एक दुनिया होती है, जहां कई बार कोई साथ नहीं होता। सोचना होगा कि बॉलीवुड और नेतागिरी किस हद तक एक-दूसरे के पूरक हैं। बॉलीवुड समाज के लिए क्या कर सकता है।

था। इसके अलावा इमरजेंसी के समय एक फिल्म 'किस्सा कुर्सी का' रिलीज होनी थी। यह फिल्म जनता पार्टी सांसद अमृत नाहटा ने बनाई थी। इस फिल्म के कुछ प्रिंट जला दिए गए थे। उपरोक्त स्थितियां आज भी दिख जाती हैं। सिनेमा और राजनीति में काफी समानता दिखती है, वो इसलिए कि इन दोनों ही दुनिया में सब कुछ असमंजस भरा होता है। एक समय तक जिस फिल्म स्टार की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाती रहती हैं, अचानक कोई एक फ्लॉप फिल्म उसका करियर चौपट कर देती है। यही स्थिति राजनीति में भी है। एक चुनावी हार किसी नेता के राजनीतिक जीवन को रसातल में ले जाती है। दोनों ही दुनिया में सबसे बड़ी भूमिका उन लोगों की होती है जो उन्हें चाहते हैं। फिल्मी दुनिया में ये चाहने वाले दर्शक होते हैं और राजनीति में तथाकथित समर्थक। बीते कई दशकों से फिल्म और राजनीति की दो अलग दुनिया, एक-दूसरे में समाहित होती जा रही हैं। जिस अभिनेता की एक झलक पाने को दर्शक घंटों इंतजार करते थे, वही अभिनेता लोगों से वोट के लिए हाथ जोड़े खड़ा नजर आने लगता है। सिर्फ समाजसेवा की इच्छा रखकर राजनीति में आने वाले सुनील दत्त जैसे अभिनेता तो अब नहीं रहे, जिनके दिल में समाज के प्रति वास्तव में सहानुभूति और दर्द बसता था।

लेकिन उनके बाद भी कई फिल्म स्टार्स, जैसे अमिताभ बच्चन, राज बब्बर, शत्रुघन सिन्हा, धर्मेंद्र, हेमामालिनी, जयाप्रदा, जया बच्चन, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना, गोविंदा, परेश रावल और मिथुन चक्रवर्ती इत्यादि अपने दौर में राजनीति में आए हैं। इनमें से बहुत कम ही सफल हुए और जो नहीं चल सके, वे वापस लौट गए। यह सवाल आज भी बरकरार है कि आखिर फिल्म कलाकारों का राजनीति में आने का असल मकसद क्या होता है? उनकी अपनी अलग दुनिया है, चाहने वालों की भीड़ है, अथाह पैसा है, फिर उनको राजनीति में ऐसा क्या मिलता है जो पाने की उनकी चाहत खत्म नहीं होती। जहां तक राजनीतिक पार्टियों का सवाल है तो नामी अभिनेताओं के प्रति उनका सिर्फ इतना स्वार्थ होता है कि उन्हें किसी मुश्किल सीट पर आसान जीत के लिए सामने लाया जाता है।

नि:संदेह आज ज्यादातर पॉलिटिक्स यूज एंड थ्रो के प्लेटफार्म पर चलती है। आज फिल्मी स्टार सभी दलों की पहली पसंद हैं। ये सिने स्टार यदि लोक सेवा में जीवन लगाना चाहते हैं तो कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन कटु सत्य है कि फिल्म और राजनीति ये दोनों ही ऐसी दुनिया है कि यदि इनमें संभलकर चलें तो जनता सिर पर बैठाती है, लेकिन जरा चूके तो सारी लोकप्रियता धराशायी होते देर नहीं लगती। यही वजह है कि अपनी प्रसिद्धि को देखते हुए फिल्मों के कलाकार राजनीति में आ तो जाते हैं, पर कम ही लंबी पारी खेल पाने में सफल होते हैं। फिल्म के पर्दे की राजनीतिक दुनिया से एक अपनी अलग ही दुनिया और अलग ही दास्तां है। यहां सफलता पर दर्शकों की तालियों की गूंज बार-बार सुनाई देती है। लेकिन फिल्मी स्टार से नेता बनने के बाद मन में दबी-छुपी आशंकाएं जन्म लेती हैं। ऐसे में अपनों से टकराहट, शिकायत और उलाहने के दौर के बीच की भी एक दुनिया होती है, जहां कई बार कोई साथ नहीं होता। सोचना होगा कि बॉलीवुड और नेतागिरी किस हद तक एक-दूसरे के पूरक हैं। बॉलीवुड समाज के लिए क्या कर सकता है?

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : द्वितीया | (विक्रम संवत् 2081)

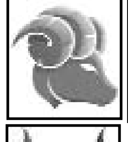

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पहले से बेहतर समय। स्वास्थ्य और सामाजिक तौर पर, भौतिक सुख-संपदा के तौर पर।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन चिंतित रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। व्यापारिक दृष्टिकोण से शुभ रहेगा।

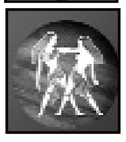

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान की स्थिति भी मध्यम है। व्यापार आपका सही चल रहा है।

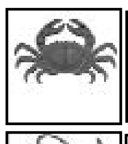

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक उत्थान होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी थोड़ा मध्यम है लेकिन खराब नहीं है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सिंह राशि की स्थिति- भाग्यवश काम बनेंगे। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

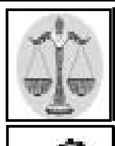

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का साथ मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी।

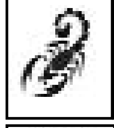

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। शत्रु मित्र बनने की कोशिश करेंगे। ऐसा दिखता है। प्रेम,संतान ठीक है। व्यापार भी ठीक है।

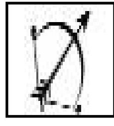

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भावुकता पर नियंत्रण रखें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान मध्यम।

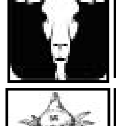

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि,भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव संभव है। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। शुभ समय कहा जाएगा।

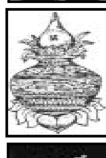

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यावसायिक सफलता मिलेगा। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लिक्विड फंड में बढ़ोतरी होगी और कुटुंब में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

पहले मतदान, बाद में जलपान : डा. डी.के. गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव हमारे लिए किसी पर्व से कम नहीं है, यह हमारे देश की दशा और दिशा बदलने वाला है। ज्यादा से ज्यादा वोट डालकर हम अपने देश को सशक्त बना सकते हैं। इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों से वोट डालने की अपील की जा रही है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर फेलिक्स अस्पताल की ओर से मतदान को ब ?ावा देने के लिए मतदाता को पांच दिन के लिए फ्री बॉडी चेकअप की सुविधा दी जाएगी। मतदान के बाद अस्पताल में नीली श्याही का निशान दिखने पर मतदाताओं को फ्री फुल बॉडी चेकअप होगा। कोई भी मतदाता नीली स्याही दिखा कर अगले पांच दिन तक फ्री फुल बॉडी चेकउप का लाभ उठा सकता है। यह सुविधा 26 से 30 अप्रैल की बीच मिलेगी। जिसमें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, किडनी, लीवर, हृदय, जांच के अलावा डॉक्टर से परामर्श तक की सुविधा शामिल है। इसके लिए हर व्यक्ति अपने-अपने तरीके से प्रयास कर सकता है।

चुनाव में अधिक से अधिक लोग मतदान करें इसके लिए अस्पताल प्रशासन ने एक नई पहल की है, जिससे हमें उम्मीद है कि मतदान के दिन भारी संख्या में लोग वोट करें। मतदान प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान करना अनिवार्य है। सभी मतदाता शुक्रवार को मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान करें।

अस्पताल की ओर ओर से चुनाव में लगे कर्मियों और पुलिसकर्मी को जो भी स्वास्थ्य संबंधी मदद होगी उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों से अपील है कि चुनाव के दौरान वोटिंग करने जाए तो अपने साथ पानी की बोतल आवश्य साथ रखे। गर्मी में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। सभी चिकित्सकों को भी अनिवार्य रूप से मतदान करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सक सभी मरीजों को मतदान करने के लिए प्रेरित भी करेंगे। अस्पताल की सभी क्लीनिक या अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों को वह यह समझाएंगे कि देश की बागडोर सही हाथों में हो, इसके लिए सभी का वोट देना जरूरी है। मरीजों को इसकी जानकारी हो सके इसके लिए उन्होंने मतदान से एक दिन पूर्व से अपने अस्पताल में जगह-जगह पर्चे व बैनर चस्पा करा दिए। मतदान करना लोकतंत्र का आधार है।

याद रहे सभी मतदाता लोकतन्त्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए न सिर्फ स्वयं मतदान करें, बल्कि अपने साथ अपने साथियों को भी प्रेरित करें।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अ निश्चित कालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में आज 72वे दिन भी जारी रहा।

बाइक रैली निकाली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी एवं युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राज नागर के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा में बाइक रैली निकाल कर भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा के समर्थन में जागरूक मतदाता रैली निकाली गयी। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बाइक रैली के दोरान कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ से एक एक वोट भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा को पड़े उसके लिये घर घर मतदाता पर्ची का वितरण करे। बाइक रैली पर युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर व बिलासपुर चेयरमैन संजय चेची ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा को यहाँ से ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाकर मोदी 400 पार संकल्प की पूरा करना है।

मतदान को लेकर जागरूक किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत उ.प्रा. व प्रा. वि. तुगलपुर के बच्चों तथा शिक्षकों के साथ स्वीप कॉडिनेटर शबनम अधाना दिशा चौधरी और धीरज कुमारी ने बच्चों को मतदान का महत्व समझाया जिससे वह घर जाकर अपने अभिभावकों को प्रेरित करें कि 26 अप्रैल को वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

इसमें प्राथमिक शिक्षक संघ के मांडलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी, संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, राम किशन शर्मा, अरविंद शर्मा आदि मौजूद रहे।

फिल्म वाले गैंगस्टर की तरह से पूरी फिल्मी है यूपी के इस माफिया की कहानी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र का रहने वाला एक माफिया ग्रेटर नोएडा से लेकर थाईलैंड तक चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रेटर नोएडा के इस माफिया सरगना के उदय से लेकर अस्त तक की पूरी कहानी हम आपको बता रहे हैं। इस माफिया सरगना की यह कहानी किसी फिल्म के गैंगस्टर की तरह से पूरी फिल्मी कहानी है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के रहने वालों ने इस पूरी कहानी को अपने सामने घटते हुए देखा है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र का माफिया रवि नागर उर्फ रवि काना थाईलैंड में गिरफ्तार हुआ है। नोएडा पुलिस जल्दी ही रवि काना को भारत लाकर ग्रेटर नोएडा स्थित जिला अदालत में पेश करने वाली है। ग्रेटर नोएडा के इस माफिया की प्रोपर्टी हजारों करोड़ रूपए की है। 280 करोड़ रूपए की प्रोपर्टी को ग्रेटर नोएडा पुलिस जब्त कर चुकी है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के रहने वाले रवि काना के विरूद्ध नोएडा पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी कर रखा था। उसी लुकआउट नोटिस पर थाईलैंड की पुलिस ग्रेटर नोएडा के रवि काना को गिरफ्तार कर चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि नोएडा पुलिस द्वारा कई मामलों में वांछित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भगोड़े गैंगस्टर रवि नागर उर्फ रवि काना को थाईलैंड में गिरफ्तार कर लिया गया है। रवि काना पर नोएडा पुलिस ने बीते जनवरी में बड़ी कार्रवाई की थी। रवि के कारोबार में उसका साथ देने वाली काजल झा की दिल्ली स्थित संपत्ति सीज कर दी गई थी। बता दें कि दिल्ली में स्थित न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी की कोठी की कीमत 80 करोड़ के करीब थी। काजल झा माफिया रवि काना की स्क्रैप कंपनी की डायरेक्टर भी रही है। रवि के साथ उसकी गर्लफ्रेंड काजल झा को भी थाईलैंड के अधिकारियों ने पकड़ लिया है। कभी कबाड़ खरीदने और बेचने का काम करने वाले गैंगस्टर रवि काना की कहानी फिल्मी है।

ग्रेटर नोएडा पुलिस इंटरपोल और विदेश में स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। उसके देश से भागने के संदेह में इस साल जनवरी में उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर और रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था. कहा कि रवि काना और काजल झा को थाईलैंड में पकड़ लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों को उनके खिलाफ यहां चल रहे मामलों की सुनवाई के लिए कानूनी कार्रवाई के बाद ग्रेटर नोएडा वापस लाया जाएगा।

200 करोड़ की संपत्ति हुई है सील

गैंगस्टर एक्ट का मामला दर्ज होने के बाद से नोएडा पुलिस ने रवि काना के गिरोह के लगभग एक दर्जन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ फैक्ट्री, ऑफिस और वाहनों सहित लगभग 200 करोड़ रुपये की संपत्ति को सील कर दिया है। पुलिस के अनुसार, नागर स्क्रैप कारोबारी रहा है। उसने कॉन्ट्रैक्ट लेने के लिए आपराधिक रास्ता अपनाया। यहां तक कि लूट की घटनाओं में भी शामिल रहा।

प्रणीत भाटी ने किया मतदान करने की अपील

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कल लोकतंत्र के महापर्व पर सभी जागरूक मतदाता अपने-अपने मतों का अधिक से अधिक प्रयोग करें यह अपील भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने जारी अपने एक अपील में किया है उन्होंने कहा कि कल 26 अप्रैल को लोकतंत्र का महापर्व है इस महापर्व को उत्सव के तरीके लोग मनाएं और अपने मतों का अधिक से अधिक प्रयोग कर सरकार बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि सबसे पहले मतदान उसके बाद जलपान की प्रक्रिया लोगों को अपनानी चाहिए।

'मतदान हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार व मूल कर्तव्य भी है'

नोएडा (चेतना मंच)। अधिक से अधिक मतदान के लिए विभिन्न संगठन लगातार मतदाताओं से अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में एएनए एंटरप्राइजेज, सोसाइटी फॉर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सोशल एंटरप्रेन्योर्स की निदेशक तथा आली सेल्फ हेल्प ग्रुप की फाउंडर नीता बाजपेई ने सभी नागरिकों से कल 26 अप्रैल को मतदान करने की अपील की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान करना सभी नागरिकों का अधिकार है तथा मूल कर्तव्य भी है। इसलिए सभी मतदान अवश्य करें।

नमो ऐप की सहसंयोजक तथा महिला लाभार्थी योजना की नोएडा प्रभारी रचना जैन ने नोएडा के सभी मतदाताओं से 'पहले मतदान बाद में जलपान' की अपील की है। उनका कहना है कि कल 26 अप्रैल को सभी मतदाता सुबह जाकर पोलिंग स्टेशन पर मतदान करें। इसके बाद अपने अन्य कार्य करें।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

अखिलेश यादव ने...

बता दें कि कन्नौज लोकसभा चुनाव के लिए सपा उम्मीदवारी को लेकर मचा सस्पेंस एक दिन पहले तक जारी था। बुधवार की शाम यह तय हुआ था कि यहां से सपा के उम्मीदवार अखिलेश यादव ही होंगे। उनके पहले यहां से तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया गया था।

समाजवादी पार्टी नेता शिवपाल सिंह यादव ने नामांकन से पहले कहा कि अखिलेश इस सीट से जीतेंगे और जरूर जीतेंगे। उन्होंने अखिलेश के नामांकन से पहले उन्हें आगामी जीत की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कि विजय भव: सर्वदा।

घुसपैठियों में कांग्रेस...

उन्होंने हमेशा देश की कीमत पर राजनीति की है, विरासत कर इसका एक हिस्सा है। अच्छा हुआ कि कांग्रेस 2014 में चली गई, अन्यथा कांग्रेस ने इसे उसी समय लागू कर दिया होता।

मायावती ने कांग्रेस...

वंचितों के लिए न्याय का सवाल है, तो इनकी सरकारों की सही नीयत के अभाव के कारण यहां गरीबी, पिछड़ापन, पलायन की विवशता आदि दूर नहीं हो पायी है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएँ भी निम्नानुसार संचालित की जायेंगी:-

04109/04110 सुबेदारगंज-दिल्ली जं.-सुबेदारगंज विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) | 20 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04109 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04109 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04110 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04110 प्रस्थान
---	21:30	सुबेदारगंज	19:20	---
08:30	---	दिल्ली जं.	---	09:30

चलने के दिन: **04109 सुबेदारगंज** से 25.04.2024 से 27.06.2024 तक (वीरवार) और **04110 दिल्ली जं.** से 26.04.2024 से 28.06.2024 (शुक्रवार) तक। **स्थान:** प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य; **ठहराव:** फतेहपुर, कानपुर सेन्ट्रल, इटावा, टूण्डला और अलीगढ़ स्टेशन

04721/04722 बीकानेर जं.-दानापुर-बीकानेर जं. विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) | 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04721 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04721 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04722 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04722 प्रस्थान
---	10:45	बीकानेर जं.	23:40	---
19:00	19:20	दिल्ली जं.	11:20	11:35
03:30	03:40	लखनऊ	02:30	02:40
13:45	---	दानापुर	---	16:20

चलने के दिन: **04721 बीकानेर जं.** से 02.05.2024 से 27.06.2024 तक (वीरवार) और **04722 दानापुर** से 03.05.2024 से 28.06.2024 (शुक्रवार) तक। **स्थान:** 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य **ठहराव:** श्री डूंगरगढ़, राजलदेसर, रतनगढ़ जं., चुरू जं., सादुलपुर जं., लोहारू जं., महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी जं., गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, वाराणसी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा स्टेशन।

05001 छपरा-अजमेर विशेष एक्सप्रेस | 1 फेरा

रेलगाड़ी सं. 05001 ARR.	रेलगाड़ी सं. 05001 DEP.	↓ स्टेशन
---	06:10	छपरा
15:50	15:52	बाराबंकी
07:30	---	अजमेर जं.

चलने के दिन: **05001 छपरा जं.** से 26.04.2024 (शुक्रवार) को। **स्थान:** 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य **ठहराव:** सीवान, थावे जं., तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी, गोमतीनगर, ऐशबाग, इटावा, शमशाबाद टाऊन, आगरा कैंट, अछनेरा, भरतपुर, बाँदीकुई, दौसा, खातीपुरा और जयपुर जं. स्टेशन

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे | आपकी सुविधा—हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 1235/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेलगाड़ी संख्या 04499/04469 स्पेशल का बांदीकुई जं. तक विस्तार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 04499/04469 दिल्ली-रेवाड़ी-दिल्ली स्पेशल का बांदीकुई जं. तक विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी सं. 04499/04469 दिल्ली जं.-रेवाड़ी जं.-दिल्ली जं. का बांदीकुई जं. तक विस्तार (प्रतिदिन) | 74 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04499 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04499 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04469 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04469 प्रस्थान
—	20.05	दिल्ली जं.	08:10	—
दिल्ली जं.-रेवाड़ी जं.-दिल्ली जं. के बीच समय-सारणी यथावत रहेगी				
22:30	22:40	रेवाड़ी जं.	05:25	05:30
22:56	22:58	बावल	04:37	04:39
23:20	23:22	हरसौली	04:13	04:15
23:32	23:34	खैरथल	04:01	04:03
00:20	00:23	अलवर जं.	03:35	03:38
00:43	00:45	मालाखेड़ा	03:07	03:09
01:02	01:04	राजगढ़	02:48	02:50
01:18	01:20	बसवा	02:32	02:34
01:50	----	बांदीकुई जं.	----	02:20

चलने के दिन : 04499 दिल्ली जं. से दिनांक 25.04.2024 से 31.05.2024 एवं 04469 बांदीकुई जं. से दिनांक 26.04.2024 से 01.06.2024।

स्थान : सामान्य

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें | 1236/2024

पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे | आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | आज़ादी का अमृत महोत्सव

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 1120242025 **दिनांक:** 22.04.2024

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र (दो पैकेट प्रणाली) पर **दिनांक 15.05.2024** को **13:30 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्नप्रकार है:-

निविदा सं.: 16	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 199515746.65

कार्यों का विवरण : रूरा-टूण्डला: वरि0 मंडल इंजीनियर / तृतीय / प्रयागराज के अन्तर्गत रूरा-टूण्डला खण्ड में 160 किमी / घंटा तक की गति बढ़ाने के संबंध में सी.आर.ओ. को रोकने के लिए गेट सहित रेलपथ के साथ-साथ डब्ल्यू धातु के मवेशी अवरोध उपलब्ध कराना और खड़ा करने का कार्य।

अग्रिम धनराशि मूल्य (रू.) : ₹ 1147600.00, **कार्य समापन की अवधि :** 03 माह, **निविदा खुलने की तिथि :** 15.05.2024, **पात्रता मापदंड के अन्तर्गत समरूप कार्य :** कोई सिविल इंजीनियरिंग का कार्य।

नोट:- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर **समय 13:30 बजे** तक निविदा खुलने की तिथि **दिनांक 15.05.2024** तक उपलब्ध है। निविदा निर्धारित खुलने की तिथि पर **15:00 बजे** या उसके बाद खुलेगी। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C. C. A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है, तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) सभी निविदादाता **निविदा संख्या 16** जिसमे निविदा का मूल्य **रू0 50 लाख** से ज्यादा है के लिए Annexure-V & V (A) (Document Verification Certificate) की आवश्यकता है। माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर / ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिये। (6) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर भी अपलोड कर दिया गया है। (7) निविदा प्रपत्र की धरोहर राशि Online Internet Banking के Payment Gateway या Bank Guarantee Bond के द्वारा निविदा प्रपत्र के पैरा 12.0 के अनुसार जमा की जायेगी। (8) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (9) आनलाइन निविदा **दिनांक 15.05.2024** को **13:30 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। (10) निविदा प्रपत्र में दिये गये अन्य निर्देशों के साथ-साथ, निविदा दाता निविदा के साथ जमा किये जाने वाले प्रपत्रों हेतु निविदा प्रपत्र के पैरा 12.0 बयाने की राशि (Bid Security Deposit) पर विशेष ध्यान दें। (11) ई-टेण्डर फार्म सभी निविदाकारों को मुफ्त जारी किए जाएंगे। (12) **निविदा संख्या 16 के लिए निविदा दाता को जी.सी.सी.-2022 (वर्कस मामले भाग-1) के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी।** 718/24 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

खास खबर

आईआईएम लखनऊ में 2024 ईएफएमडी भारतीय संगोष्ठी भारतीय बिजनेस स्कूलों के लिए वैश्विक मान्यता का मार्ग प्रशस्त करती है

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ 23 अप्रैल 2024 को 2024 यूरोपियन फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी) भारतीय संगोष्ठी की सफलतापूर्वक मेजबानी की गई। थीम सीमाओं से परे-ईएफएमडी वैश्विक मान्यता के माध्यम से भारतीय बिजनेस स्कूलों की दृश्यता को बढ़ाना, संगोष्ठी में वैश्विक प्रबंधन शिक्षा समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं और विशेषज्ञों को बुलाया गया। प्रबंधन शिक्षा और मान्यता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श में शामिल होना। अपने स्वागत भाषण में, आईआईएम लखनऊ की प्रभारी निदेशक प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने कहा।वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती प्रमुखता के बीच 2024 ईएफएमडी संगोष्ठी की मेजबानी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।प्रो. शुक्ला ने इस विकास पथ को आगे बढ़ाने में भारतीय बिजनेस स्कूलों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने आईआईएम लखनऊ में 2024 ईएफएमडी भारतीय संगोष्ठी में चर्चा के लिए अपनी आशा व्यक्त की, जो एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करते हुए एक विविध और विश्व स्तर पर जुड़े समुदाय को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। भारतीय व्यापार परिषद की स्थापना के साथ संगोष्ठी ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।ईएफएमडी ग्लोबल नेटवर्क एशिया के विशेष सलाहकार निशित जैन ने कार्यक्रम के दौरान जोर दिया,एक सहयोगी थिंक टैंक के रूप में कार्य करते हुए, हमारा ध्यान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गणना के क्षेत्र में प्रगति में तेजी लाने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम करना है। यूरोपियन फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन और प्रबंधन विकास के क्षेत्र में यूरोप का सबसे बड़ा नेटवर्क एसोसिएशन है।

सीताराम जिंदल को राष्ट्रपति ने पद्म भूषण पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली एजेंसी। परोपकार और स्वास्थ्य सेवा के दूरदर्शी अग्रदूत डॉ. सीताराम जिंदल को सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति ने प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री और विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह समारोह समाज में डॉ. जिंदल के असाधारण योगदान को मान्यता देने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया। 12 सितंबर 1932 को हरियाणा के शांत गांव नलवा में जन्मे डॉ. सीताराम जिंदल की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है। जिंदल एल्युमीनियम लिमिटेड (जेएएल) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनकी उद्यमशीलता कौशल ने भारत की सबसे बड़े एल्युमीनियम एक्सट्रूजन निर्माता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिंदल कारोबार से परे तक सोचते हैं। उनका योगदान एस जिंदल चैरिटेबल फाउंडेशन, कई ट्रस्टों, अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना तक फैला हुआ है, जो मानव मात्र की सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण की बानगी है। डॉ. जिंदल की शैक्षणिक गतिविधियां उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय ले गईं, जहां उन्होंने 1957 में स्नातक की डिग्री हासिल की, उसके बाद प्राकृतिक चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनके कॉलेज के दिनों के दौरान उन्होंने उपवास, एनीमा और योग के माध्यम से पेट की तपेदिक की लाइलाज स्थिति पर काबू पाया।

200 रुपये के पार पहुंचेगा एम्मफोर्स ऑटोटेक का शेयर, 98 रुपये है आईपीओ में शेयर का दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ पर पहले ही दिन 21 गुना से ज्यादा दांव लग गया है। कंपनी का आईपीओ 23 अप्रैल को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है और यह 25 अप्रैल 2024 तक ओपन रहेगा। एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर अभी से ग्रे मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 110 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम तगड़े फायदा का इशारा कर रहा है।

पहले ही दिन 200 रुपये के ऊपर जा सकते हैं शेयर

एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ का प्राइस बैंड 93 से 98 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर 110 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। 98 रुपये के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी के शेयर 208 रुपये की रेंज में बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, जिन निवेशकों को आईपीओ में एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर मिलेंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन ही 113 पर्सेंट के करीब फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 30 अप्रैल 2024 को बाजार में लिस्ट होंगे। एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्र्क्ष प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

एम्मफोर्स ऑटोटेक का आईपीओ पहले ही दिन 21.73 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा पहले ही दिन 29.34 गुना सब्सक्राइब हुआ है। जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 31.60 गुना दांव लग गया है। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 1.03 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते हैं। आईपीओ की एक लॉट में 1200 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कंपनी के आईपीओ में 117,600 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा।

गर्मी में चुनावों के कारण इस साल चीनी की रिकॉर्ड खपत, गन्ना किसानों को समय पर मिल सकता है भुगतान

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच हो रहे लोकसभा चुनावों की वजह से देश में इस साल चीनी की खपत बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। अधिक खपत से न सिर्फ चीनी उत्पादक कंपनियों का मार्जिन बढ़ेगा बल्कि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी। हालांकि, चीनी की मांग बढ़ने से घरेलू बाजार में इसकी कीमतें बढ़ सकती हैं। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लि. के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाइकनवरे ने कहा, गर्मी के बीच हो रहे लोकसभा चुनावों की वजह से चीनी की मांग में असामान्य वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे इस साल चीनी की कुल खपत बढ़कर रिकॉर्ड 2.9 करोड़ टन पहुंच सकती है। 30 सितंबर को समाप्त विपणन वर्ष 2022-23 में कुल खपत 2.78 करोड़ टन रही थी।

बलरामपुर चीनी मिल्स की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरावगी ने कहा, देश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। इस बीच हो रही सियासी रैलियों में लाखों की भीड़ जुटने से आइसक्रीम और शीतल पेय की खपत बढ़ गई है, जिससे चीनी की मांग औसत से ज्यादा है।

75 लाख टन खपत का अनुमान

मुंबई स्थित एक डीलर ने बताया, मार्च के मध्य से जून तक गर्मी के महीनों में कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम की मांग बढ़ जाती है। इससे देश में अप्रैल-जून के दौरान चीनी की खपत बढ़कर 75 लाख टन पहुंच सकती है। यह सालाना आधार पर 5 फीसदी ज्यादा है।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा, सरकार ने पिछले साल की तुलना में अप्रैल के लिए अधिक कोटा आवंटित किया है। लेकिन, थोक उपभोक्ताओं की मजबूत मांग से एक पखवाड़े में चीनी के दाम करीब तीन फीसदी बढ़ गए हैं।

जर्मनी में हैं 700,000 वैकेंसीज, भारतीयों के लिए गोल्डन चांस

नईदिल्ली, एजेंसी। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश लेबर शॉर्टेज और बुढ़ाती आबादी की दोहरी समस्या से जूझ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक इस समय देश में 700,000 वैकेंसीज हैं और 2035 तक 70 लाख स्किल्ड वर्कर्स की कमी होगी। ऐसे में भारतीयों के पास इस मौके का फायदा उठाने का शानदार मौका है। जर्मनी की यूनिवर्सिटीज में इस समय करीब 43,000 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं जो छात्रों की कुल आबादी का करीब 14 फीसदी हैं। जर्मनी इन लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए नियमों में बदलाव कर रहा है ताकि देश में लेबर शॉर्टेज की समस्या दूर की जा सके। जर्मनी अभी अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने डिजिटल हेल्थ पर पाठ्यक्रम शुरू किया

मुंबई, एजेंसी। देश में अग्रणी स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान विश्वविद्यालय आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, जयपुर ने डिजिटल हेल्थकेयर सिस्टम में दिलचस्पी रखने वाले इच्छुक पेशेवरों के लिए डिजिटल हेल्थ पर अपना पहला सर्टिफिकेट कोर्स लॉन्च किया है। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने का उद्देश्य डिजिटल हेल्थ की दुनिया में हाल के दौर में हुए इनोवेशंस की समझ के साथ स्वास्थ्य पेशेवरों की पीढ़ी को विकसित करना है, ताकि वे स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, सामर्थ्य और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य प्रणालियों के बेहतर परफॉर्मेंस में योगदान दे सकें।

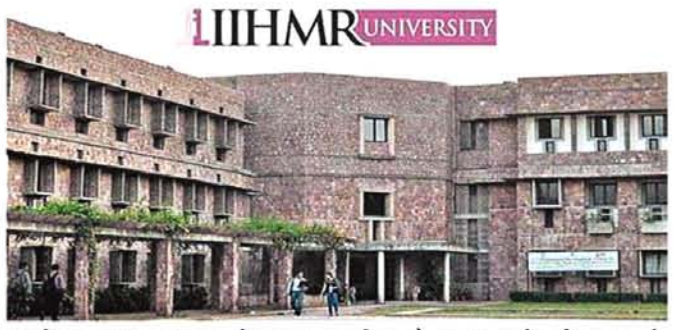

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. पी.आर. सोडानी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, ''आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी अपनी स्थापना के बाद से, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रबंधन संबंधी प्रक्रियाओं में सुधार के उद्देश्य से लगातार काम कर रहा है। देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल और डिजिटल हेल्थकेयर ईकोसिस्टम के बीच मौजूदा फासले को ध्यान में रखते हुए आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने डिजिटल हेल्थ से जुड़े इनोवेशंस के साथ हेल्थ प्रोफेशनल्स को विकसित करने की जरूरत को समझा है। इस तरह बेहतर स्वास्थ्य देखभाल तक लोगों की पहुंच को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। इसलिए हमारी विशेषज्ञता ने हमारे पूर्व छात्रों के विविध नेटवर्क और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा कार्य पेशेवरों के लिए अत्याधुनिक टैक्नोलॉजी से युक्त इस पाठ्यक्रम को तैयार करने का निर्णय लिया है। मैं सभी प्रतिभागियों का स्वागत करता हूं और अपनी टीम को उनके प्रयासों और इस लॉन्च की शानदार सफलता के लिए बधाई देता हूं।''

स्कूल ऑफ डिजिटल हेल्थ के सलाहकार बोर्ड द्वारा अनुमोदित, 6 महीने तक चलने वाला इमर्सिव प्रोग्राम आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के समर्पित संकाय सदस्यों द्वारा डिजाइन और संकल्पित किया गया है। पाठ्यक्रम को इस तरह तैयार किया गया है कि दूरस्थ इलाकों में रहने वाले विद्यार्थी भी इसका लाभ ले सकें। इस लिहाज से इसे ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाएगा। हालाँकि यूनिवर्सिटी के कैम्पस में विचार-विमर्श में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। इस भव्य लॉन्च के माध्यम से, स्कूल ऑफ डिजिटल हेल्थ ने स्वास्थ्य सेवा से संबंधित सभी क्षेत्रों में सक्रिय रूप से शामिल होने का प्रयास किया है। साथ ही, देश की स्वास्थ्य सेवा को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के सरकार के एजेंडे में अपनी तरफ से योगदान देने की दिशा में भी कदम उठाए हैं।

पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए संकाय सदस्य और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. स्वप्निल गढ़वे ने बताया कि यह इमर्सिव सर्टिफिकेट कोर्स छात्रों को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायता करेगा। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य देखभाल सिस्टम के साथ डिजिटल टैक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल के लिए आवश्यक कौशल से भी लैस करेगा। कुशलतापूर्वक तैयार किए गए इस पाठ्यक्रम को कामकाजी पेशेवरों के लिए उपयुक्त ट्रेनिंग प्रणाली के लिहाज से संचालित किया जाएगा। इसमें व्याख्यान और चर्चा, केस चर्चा/विश्लेषण, प्रोजेक्ट कार्य, टर्म पेपर और असाइनमेंट को भी शामिल किया गया है। ऑनलाइन मोड में संचालित होने के कारण छात्रों को संकाय सदस्यों और साथियों के साथ विचारोत्तेजक चर्चा में शामिल होने के लिए एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा, जो छात्रों को विकास और उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करेगा।

नेस्ले इंडिया के 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' ने डेयरी किसानों के लिये स्थायी भविष्य का रास्ता दिखाया

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले इंडिया 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' के साथ जिम्मेदारी से सोर्सिंग करने और डेयरी फार्म्स से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिये अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखा रही है। बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी पशुओं से मिलने वाली खाद को शुद्ध बायोगैस में बदल देती है और इस प्रकार डेयरी फार्म्स का कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाता है। बचे हुए घोल का इस्तेमाल प्राकृतिक उर्वरक के रूप में होता है और इससे कृषि की पुनरुत्पादक पद्धति में योगदान मिलता है। इस पहल के तहत नेस्ले इंडिया पंजाब और हरियाणा के 24 जिलों में लगभग 70 बड़े बायोडाइजेस्टर्स और 3000 से ज्यादा छोटे बायोडाइजेस्टर्स स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

छोटे डेयरी फार्म्स में पशुओं से मिलने वाली खाद को खुला छोड़ दिया जाता है और इससे जीएचजी का उत्सर्जन होता है। इस खाद को बायोडाइजेस्टर्स में डालने से उसका माइक्रोबियल ब्रेकडाउन होता है और बायोगैस बनती है। छोटे बायोडाइजेस्टर्स जो बायोगैस बनाते हैं, वह एलपीजी और ईंधन की लकड़ी की जगह ले सकती है। इससे किसानों की सेहत को धुएं से होने वाला खतरा कम होगा और उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा। इन फायदों के अलावा,बड़े बायोडाइजेस्टर्स 100त नवीकरण योग्य बिजली भी बना सकते हैं और इससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव होगा। बायोडाइजेस्टर्स की बची हुई खाद को जैव उर्वरक में बदलकर खेतों और किचन गार्डन्स में इस्तेमाल किया जाता है।

एराया लाइफस्पेसेज़ लिमिटेड ने लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टी और कमर्शियल रिटेल स्पेसज़ का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली एजेंसी। एराया लाइफस्पेसेज़ लिमिटेड (बीएसई 531035) अपने हॉस्पिटैलिटी बिज़नेस में हो रहे डेवलपमेंट को अपडेट करते हुए प्रसन्न व्यक्त करते है (द्व) कंपनी ने लगभग 30 मिलियन रुपये के इन्वेस्टमेंट के साथ लोनावाला में लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टी का अधिग्रहण, और (द्वद्व) कमर्शियल रिटेल स्पेसज़ का अधिग्रहण भारत के सबसे संपन्न राज्य पंजाब के दिल, चंडीगढ़ की सैटेलाइट सिटी, मोहाली में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित सबसे बड़े मॉल में लगभग 470 मिलियन रुपये के इन्वेस्टमेंट के साथ किया, जो अपने हॉस्पिटैलिटी बिज़नेस के विस्तार के लिए अपने स्ट्रॉन्ग कमिटमेंट को दर्शाते हुए विकास की संभावना वाले बिज़नेस एरियाज़ में अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहा है।

एराया लाइफस्पेसेज़ अपने डिज़ाइनर, लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टीज़ के लिए स्थानों के चयन, तेजी से बढ़ते इत्मीनान युक्त टूरिज़्म मार्केट की गहन समझ और जल्दी समझने वाले ट्रैवलर्स की जरूरतों को पूरा करने हेतु एक स्ट्रेटिजिक अप्रोच को दर्शाता है।

डेस्टिनेशन लोनावाला

पश्चिमी घाट की हरी-भरी हरियाली के बीच और मुंबई और पुणे जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों के पास सुविधाजनक स्थान पर स्थित, लोनावाला वीकेन्ड की छुट्टियों और अवकाश ट्रिप्स के लिए एक पॉप्युलर डेस्टिनेशन है। शांत वातावरण, सुखद जलवायु और मनोरंजक गतिविधियों की रेंज इसे लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टीज़ के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। पूर्वकालीन स्थान पर स्थित लग्ज़री कॉटेज में एराया लाइफस्पेस का इन्वेस्टमेंट इसे अर्बन निवासियों की डिमांड पूरा करने की अनुमति देता है जो दूर की यात्रा किए बिना शहर के जीवन से एक शानदार छुट्टी बिताना चाहते हैं।

यह सुनिश्चित करके कि लोनावला में उसकी बुटीक स्टेकेशन प्रॉपर्टी करंट मिड ईयर तक तैयार होकर शुरू हो जाएगी, एराया लाइफस्पेसेज़ इक्सेप्शनल डेस्टिनेशंस का पता लगाने हेतु उत्सुक यात्रियों की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। चाहे गेस्ट्स प्रकृति के बीच एक शांत विश्राम की तलाश में हों या एक आरामदायक शहरी पलायन की, एराया लाइफस्पेसेज़ की संपत्तियों को उनकी प्राथमिकताओं और इच्छाओं के अनुरूप अनफॉरगेटेबल एक्सपीरियंस देने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। भारत में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री का मार्केट साइज़ 2024 में 247.31 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, और 2029 तक 475.37 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पूर्वानुमानित अवधि (2024-2029) के दौरान 13.96त की सीएजीआर से बढ़ रहा है।

कमर्शियल और रिटेल स्पेसज़ में एराया लाइफस्पेसेज़ का इन्वेस्टमेंट 17,415 स्क्वेयर फीट का अधिग्रहण करना है, जिसमें पंजाब के मोहाली में सबसे बड़े मॉल द सीपी 67 मॉल के प्रमुख स्थानों को हल्दीराम, बर्गर किंग, डोमिनोज, पिज्जाहट और भी बहुत कुछ सहित प्रतिष्ठित डोमेस्टिक और अंतर्राष्ट्रीय क्यूएसआर चेन/ ब्रांड्स को लीज़ पर देने की तैयारी है। ये क्यूएसआर ब्रांड मॉल और अन्य रिटेल एनवायरनमेंट में विज़िटर्स के लिए ओवरऑल शॉपिंग और डाइनिंग एक्सपीरियंस का एक अभिन्न अंग बनने के लिए विकसित हुए हैं।

एक्सिस बैंक फाउंडेशन ने मध्यप्रदेश में वहनीय आजीविका हासिल करने में कर रहा है मदद

एक्सिस बैंक फाउंडेशन की समाज प्रगति सहयोग के साथ साझेदारी के माध्यम से 100,000 से अधिक परिवार सशक्त हुए

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस बैंक फाउंडेशन (एबीएफ) ने इस साल पृथ्वी दिवस पर, समाज प्रगति सहयोग (एसपीएस) के साथ भागीदारी में, मध्य प्रदेश में वहनीय सामुदायिक विकास और आजीविका को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। एबीएफ और एसपीएस ने 2011 से महिलाओं के नेतृत्व वाले समूहों को सशक्त बनाने और घरेलू आय में सुधार पर ध्यान देने के साथ, मध्य प्रदेश के देवास और खरगोन जिलों में 100,000 से अधिक ग्रामीण परिवारों के लिए पारिस्थितिक और आर्थिक लचीलेपन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस कार्यक्रम के तहत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन - मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण, वहनीय कृषि पद्धतियों और घरेलू आय में सुधार के लिए स्थानीय संस्थानों को मज़बूत करने के साथ-साथ फसलों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह साझेदारी लक्षित पहलों के माध्यम से सूखा से प्रभावित होने वाले क्षेत्र की गंभीर चुनौतियों का समाधान करती है, जो वहनीय कृषि, वाटरशेड के विकास और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर केंद्रित है। वहनीय आजीविका कार्यक्रम के तहत न केवल सामुदाय की क्षमता बढ़ाई गई, बल्कि सचेत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से पूरे साल पानी की उपलब्धता और मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार किया गया। एक्सिस बैंक फाउंडेशन की कार्यकारी ट्रस्टी और मुख्य कार्यकारी, ध्रुवी शाह ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, दीर्घकालिक लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित, समाज प्रगति सहयोग के साथ हमारा गठजोड़, मध्य प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में सहायक रहा है। हमारे गठजोड़ और साझेदारी का लक्ष्य है, आत्मनिर्भरता पैदा करना। एसपीएस के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, हम इस साल पृथ्वी दिवस पर वंचित समुदायों तक पहुंचने और समुदायों, गैर-लाभकारी संगठनों तथा सरकार को एकजुट कर उनका समर्थन करने के अपने मिशन की दिशा में काम करना चाहते हैं। हम वहनीय विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लक्ष्य के साथ पर्यावरण और लोग दोनों के पोषण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टाटा मोटर्स ने मैजिक के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कॉमर्शियल वाहनों के निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे पसंदीदा टाटा मैजिक वैन के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ाने के लिए नया वैरिएंट मैजिक बाई-फ्यूल भी लॉन्च किया।अंतिम गंतव्य तक परिवहन की सुविधा प्रदान करने में विश्वसनीय, दक्ष और किफायती होने के लिए मशहूर, 10 सीटर टाटा मैटिक यात्रियों और ऑपरेटर्स के लिए एकदम उपयुक्त पसंद है।टाटा मैजिक की स्लीक डिजाइन, सुरक्षा और यात्रियों का आराम पिछले इतने सालों से जारी इसकी निरंतर सफलता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

इंडस ऐपस्टोर ने 10 भारतीय भाषाओं में वॉयस सर्च फीचर लॉन्च किया

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के स्वदेशी ऐप मार्केटप्लेस, फोनपे के इंडस ऐपस्टोर ने आज यह घोषणा की है कि उनका वॉयस सर्च फीचर अब अंग्रेज़ी के अलावा 10 भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा। यह इनोवेटिव फीचर यूज़र के अनुभव में सुधार लाता है, जिससे यूज़र अपनी पसंद की भाषा में वॉयस सर्च से ऐप्स ढूंढ सकते हैं। वॉयस सर्च टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करती है। वॉयस सर्च विभिन्न प्रकार के उच्चारणों और स्पीच पैटर्न को समझ लेता है, जिससे सर्च के उचित परिणाम मिलते हैं। भारत में इंटरनेट चलाने वालों में करीब 75 प्रतिशत लोग अपनी स्थानीय भाषा बोलते हैं। इस आंकड़े से पता चलता है कि ऐप्स खोजने और उनका इस्तेमाल करने में आने वाली भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना कितना ज़रूरी है। क्षेत्रीय भाषाओं में पारंपरिक टेक्स्ट आधारित खोज में कई तरह की मुश्किलें होती हैं, जैसे विशेष कीबोर्ड की ज़रूरत और मुश्किल अक्षर लिखना। इससे आसानी से संचार नहीं हो पाता है। इंडस ऐपस्टोर की वॉयस सर्च टेक्नोलॉजी से यूज़र को बेहतरीन अनुभव मिलता है। इससे वे आसानी से वॉयस सर्च बटन को टैप करके अपनी स्थानीय भाषा में पसंदीदा ऐप को खोज सकते हैं। यह इंडस ऐपस्टोर मिशन के साथ जुड़ा हुआ है, जो सभी लोगों को शामिल करने और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले फीचर के माध्यम से यूज़र को सशक्त बनाना है। यह विभिन्न साक्षरता स्तरों और अपनी पसंद की भाषा के अनुसार काम करता है। इसके अलावा, यह नया फीचर, ऐप डेवलपर्स के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे ऐप इंस्टॉल करने की संख्या को बढ़ाने में भी मदद करता है। लॉन्च पर बोलते हुए, इंडस ऐपस्टोर के सह-संस्थापक और सीपीओ आकाश डोंगरे ने कहा, नए वॉयस सर्च फीचर के ज़रिए हमने सभी प्रकार के लोगो के लिए और आसानी से इस्तेमाल किए जाने वाले ऐप स्टोर को बनाने का प्रयास किया है। 82त स्मार्टफोन यूज़र वॉयस-एक्टिवेटिड टेक्नोलॉजी इस्तेमाल कर रहे हैं, और भारतीय भाषाओं को शामिल करने से छह- से साठ वर्ष के सभी आयु वर्ग के लोगों में टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है।

अंतिम टेस्ट के लिए तरोताजा होने बेंगलुरू और चंडीगढ़ जाएंगे इंग्लैंड के खिलाड़ी

रांची । इंग्लैंड क्रिकेट टीम सात मार्च से धर्मशाला में होने वाले अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मिले ब्रेक के दौरान बेंगलूर और चंडीगढ़ में आराम करेगी। इंग्लैंड टीम का लक्ष्य अंतिम टेस्ट से पहले मिले एक सप्ताह के समय में तरोताजा होना है। इसी कारण टीम बेंगलुरू और चंडीगढ़ जा रही है। इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में पहले ही 1-3 से पीछे चल रही है। वहीं इससे पहले दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले समय में भी टीम आराम के लिए अबु धाबी चली गयी थी। इस सीरीज से पहले भी इंग्लैंड टीम ने अबु धाबी में ही अभ्यास किया था पर इस बार टीम ने खाली समय को चंडीगढ़ और बेंगलुरू को बिताने का फैसला किया है। । इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक अधिकारी ने कहा, 'पांचवें टेस्ट से पहले टीम चंडीगढ़ और बेंगलुरू में अपना खाली समय बिताएगी। ब्रेक के दौरान खिलाड़ी नेट अभ्यास नहीं करेंगे। टीम टेस्ट से लगभग तीन दिन पहले 4 मार्च को धर्मशाला पहुंचकर अभ्यास करेगी। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने इस सीरीज में आक्रामक रुख अपनाने की जो नीति बनायी थी वर अब तक असफल रही है जिससे भी टीम को नुकसान पहुंचा है।

वैगनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

वेलिंगटन ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज नील वैगनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। इसी के साथ ही 37 साल के वैगनर का एक दशक से लंबा करियर समाप्त हो गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने करियर का अंतिम टेस्ट खेला। खेल से संन्यास की घोषणा के समय वह भावुक हो गये। दक्षिण अफ्रीका में जन्में वैगनर ने न्यूजीलैंड की ओर से 64 टेस्ट मैचों में 260 विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम में जगह मिलने की संभावना नहीं थी और इसी को देखते हुए उन्होंने खेल को अलविदा कहने का फैसला किया।

वैगनर ने साल 2012 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। टीम की 2022 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत में उनकी अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने जो 64 टेस्ट मैच खेले उनमें से न्यूजीलैंड ने 34 में जीत हासिल की। वैगनर 2008 में दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड आ गए थे और उन्होंने ओटैगो प्रांत की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला था।

वैगनर का बेहतरीन प्रदर्शन पिछले साल बेसिन रिजर्व में रहा जब उन्होंने न्यूजीलैंड को इंग्लैंड पर एक रन से जीत दिलाई थी। वैगनर ने तब 62 रन देकर चार विकेट लिए थे जिनमें जेम्स एंडरसन का अंतिम विकेट भी शामिल है। वैगनर ने संन्यास पर कहा, ''यह सप्ताह भावनात्मक रहा क्योंकि हर उस चीज से दूर जाना आसान नहीं होता है जिसने आपको इतना कुछ दिया हो पर अब आगे बढ़ने और दूसरों को अवसर देने का समय है। मैंने न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट के प्रत्येक पल का पूरा आनंद उठाया है जिसकी मुझे खुशी है।''

खास खबर

रोनाल्डो विवादों में फंसे , लग सका है प्रतिबंध

रियाद । पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। रोनाल्डो पर सऊदी प्रो लीग में दर्शकों की ओर आपत्तिजनक इशारा करने के आरोप लगे हैं जिसकी जांच हो रही है। सोशल मीडिया पर आये एक वीडियो में रोनाल्डो के इस इशारे से दर्शक भड़क गये। ऐसा लगता है कि रोनाल्डो इस तरह का आपत्तिजनक इशारा करके अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम अल शबाब के समर्थकों को चिढ़ा रहे थे। यह घटना रविवार को खेले गए मैच के दौरान हुई जिसमें अल नासर ने अल शबाब को 3-2 से हराया। यह घटना हालांकि टीवी कैमरों में नजरी नहीं आयी पर इससे रोनाल्डो को कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ इस घटना की जांच कर रहा है। इस मामले में आरोपों को सही पाये जाने पर रोनाल्डो को निलंबित भी किया जा सकता है। अल नासर का अगला मैच गुरुवार को होगा और अब उसमें रोनाल्डो का खेलना तय नहीं है। रोनाल्डो साल 2022 में सऊदी अरब के अल नासर क्लब से जुड़े थे। उसके बाद से ही उन्होंने अब तक सबसे ज्यादा 22 गोल दागे हैं।

एलेना का हॉकी इंडिया के सीईओ पद से इस्तीफा

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया की मुख्यकार्यकारी (सीईओ) रही एलेना नॉर्मन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले 13 साल से सीईओ के पद पर थीं। एलेना के सीइके रहते हुए भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों बेहतर हुई हैं। भारतीय महिलार टीम ने सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हासिल की और साथ ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में वह चौथे स्थान पर रही। वहीं पुरुष वर्ग में भारतीय टीम ने 41 साल के बाद कांस्य पदक हासिल किया। उनके रहते ही हॉकी इंडिया ने साल 2018 और साल 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप के लगातार दो संस्करणों की मेजबानी भी की है। इसके अलावा 2016 और 2021 में दो जूनियर पुरुष विश्व कप का सफल आयोजन करने के साथ ही हॉकी इंडिया लीग के पांच संस्करणों की भी सफलतापूर्वक मेजबानी की। इससे भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को कुछ सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक हॉकी सितारों के साथ खेलने का अवसर मिला जिससे उनका प्रदर्शन बेहतर हुआ। हॉकी इंडिया ने एलेना के कार्यकाल में ही एफआईएच चैंपियंस ट्रॉफी, 2015 और 2017 में एफआईएच विश्व लीग फाइनल, 2019 और 2024 में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के साथ-साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग घरेलू खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंटों की भी मेजबानी की। एलेना का महिला हॉकी को आगे लाने में भी सबसे अधिक योगदान रहा। उनके कार्यकाल में ही टीम को पुरुष खिलाड़ियों के समान सुविधाएं प्रदान की गईं, जिसमें हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कारों के जरिये अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में असाधारण प्रदर्शन पर नकद पुरस्कार भी शामिल रहे थे। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली महिला टीम की सफलता में विशेष रूप से अहम भूमिका भी निभाई थी। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी क्योंकि टीम ने पहली बार क्वालीफाई किया और 36 साल के बाद ओलंपिक में भाग लिया।

अभिनव बिंद्रा, नीरज चोपड़ा, अंजू बॉबी जॉर्ज भारत खेल विज्ञान सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे

नई दिल्ली.

टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, विश्व चैंपियनशिप 2003 की कांस्य विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज सहित कई वर्तमान और पूर्व एथलीट सूची में शीर्ष नामों में शामिल हैं जो बुधवार को यहां होने वाले पहले भारत खेल विज्ञान सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे। भारत खेल विज्ञान सम्मेलन में प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए खेल विज्ञान को कैसे जोड़ा जाए, इस पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त और भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और दक्षिण अफ्रीकी एथलीट प्रदर्शन विशेषज्ञ वेन लोम्बार्ड और भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस जैसे शीर्ष खेल विज्ञान विशेषज्ञ सूची में कुछ अन्य नाम हैं। एक दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी, ट्रांसस्टेडिया एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन की शिक्षा शाखा, नेशनल सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर), भारतीय खेल प्राधिकरण और युवा मामले और खेल मंत्रालय की इकाई के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय खेलों और एथलीटों के लिए उच्च प्रदर्शन और खेल प्रशिक्षण में उच्च स्तरीय अनुसंधान का समर्थन करना है। विजन ओलंपिक 2036 के उद्देश्यों और लक्ष्य सेटिंग्स के आधार पर भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सम्मेलन में इन विशिष्ट खेल प्रतिभाओं के साथ विषयों पर गहराई से चर्चा की जाएगी, जिसमें चोपड़ा और चाहर जैसे लोग शामिल होंगे, जो एथलीटों को उच्च प्रदर्शन पर परिप्रेक्ष्य प्रदान करेंगे। बिंद्रा, जो उच्च प्रदर्शन और खेल विज्ञान को मुख्यधारा का विषय बनाने के लिए देश में कई हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा, जैसा कि हम भारतीय खेलों में एक नए युग के कगार पर खड़े हैं, दिल्ली में भारत खेल विज्ञान सम्मेलन एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। सम्मेलन में उन लोगों का भी प्रतिनिधित्व होगा जो ज्यादातर भविष्य के खेल सितारों के सलाहकार के रूप में पर्दे के पीछे काम करते हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रमुख पोषण विशेषज्ञ जी वाणी भूषणम; डॉ. प्रलय मजूमदार, वरिष्ठ सलाहकार, खेल विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान (खेल विज्ञान और विश्लेषिकी उत्कृष्टता केंद्र) आईआईटी, मद्रास; डॉ. नानकी जे चड्ढा, खेल एवं प्रदर्शन मनोवैज्ञानिक और पूर्व भारतीय गोल्फर; डॉ. पियरे ब्यूचैम्प, हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया; अमेय कोलेकर, खेल विज्ञान के प्रमुख, पादुकोण द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस कुछ ऐसे नाम हैं जो सम्मेलन का हिस्सा होंगे। सम्मेलन में टॉप्स के सीईओ, कमांडर पीके गर्ग द्वारा एक विशेष सत्र और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के वरिष्ठ परियोजना सहयोगी, वीरेंद्र राजपूत द्वारा ईमानदारी और निष्पक्ष खेल पर एक प्रस्तुति भी होगी।

सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप : भारतीय टीम का पहला मुकाबला भूटान से

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम अगले माह एक से 10 मार्च तक नेपाल में होने वाली सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप में अपना पहला मुकाबला एक मार्च को भूटान से खेलेगी। मुख्य कोच बिबी थॉमस मुत्ताह ने कहा है कि 23 सदस्यीय भारतीय टीम का लक्ष्य यहां तीसरी बार जीत दर्ज करना रहेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले 2018 और 2019 में अंडर 15 प्रारूप में जीत हासिल की थी। इन दोनो ही बार में भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया था। ये पहली बार है जब ये टूर्नामेंट अंडर 16 प्रारूप में खेला जाएगा। अंतिम टीम का चयन गोवा में अभ्यास कर रहे संभावितों में से किया गया। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला एक मार्च को भूटान से खेलना है। उसके बाद भारतीय टीम पांच मार्च को बांग्लादेश और सात मार्च को नेपाल से खेलेगी। इस टूर्नामेंट में राउंड राबिन चरण की शीर्ष दो टीमें खिताबी मुकाबले में उतरेंगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

डिफेंडर : अमृता घोष, बोनिफिला शुलाइ, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लाकड़ा, गौरी, रिआना लिज जैकब, रूपश्री मुंडा, एस अलेना देवी

मिडफील्डर : अनिता डुंगडुंग, अनुष्का कुमारी, अन्विता रघुरामन, एच यशिका, एल नीरा चानू, रितु बडाइक, श्वेता रानी, टी मोनी बास्के

फॉरवर्ड : गुरलीन कौर, गुरनाज कौर, नेहा साजी, पर्ल फर्नांडिस

गोलकीपर : के टी देवी, मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी

टेस्ट क्रिकेट की मैच फीस बढ़ा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अब मैच फीस बढ़ाने पर विचार कर रहा है। जिससे कि युवा खिलाड़ियों को इसकी ओर आकर्षित किया जा सके। आईपीएल के शुरु होने के बाद से ही युवा खिलाड़ियों का रुझान लीग क्रिकेट की तरफ बढ़ा है क्योंकि उसमें उन्हें अच्छी कमाई होती है। बीसीसीआई ने हाल ही मैं एक बयान जारी कर कहा था कि घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित करने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय टीम में जगह मिलेगी। साथ ही कहा था कि आईपीएल अच्छा है पर घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा कसती। हाल की में जिस प्रकार से युवा खिलाड़ियों इशान किशन और श्रेयस अय्यर ने फिटनेस के नाम पर घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। माना जा रहा है कि उसको देखते हुए ही बोर्ड ने घरेलू क्रिकेट में वेतन बढ़ाना तय किया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अतिरिक्त बोनस निर्धारित कर सकता है ये एक खिलाड़ी को पूरे सत्र में प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने पर दिया जाएगा। इसके तहत अगर कोई खिलाड़ी एक कैलेंडर वर्ष में सभी टेस्ट सीरीज खेलता है, तो उसे वार्षिक रिटेनर अनुबंध के अलावा अतिरिक्त पुरस्कार भी मिलेगा। बोर्ड को उम्मीद है कि इससे अधिक से अधिक खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर टेस्ट क्रिकेट में वेतन को लेकर नए मॉडल को मंजूरी मिल जाती है, तो इसे इस आईपीएल सत्र के समापन के बाद लागू किया जाएगा।

डब्ल्यूएफआई ने बजरंग, विनेश को भी ट्रॉयल के लिए बुलाया

साक्षी ने सोशल मीडिया के जरिये फेडरेशन पर कसा तंज

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट ओर साक्षी मलिक को सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर कुश्ती मुकाबले के ट्रायल के लिए बुलाया है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने लिखा, मैं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की सभी मान्यता प्राप्त इकाइयों को जानकारी दे रहा हूं कि एशियाई ओर ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिताओं के लिए टीम का चयन करने के लिए 10 और 11 मार्च को आईजी खेल परिसर के केडी जाधव कुश्ती इंडोर स्टेडियम में ट्रायल्स आयोजित किये जाएंगे। ऐसे मे सभी राज्य इकाइयों से अनुरोध है कि वे अपने खिलाड़ियों को ये जानकारी दें। वहीं साक्षी ने फेडरेशन की खिंचाई करने के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें साक्षी मलिक ने कहा, टूटे हुए दिल और बहुत दुखी मन से संजय सिंह का भारतीय कुश्ती महासंघ में स्वागत है। अब लखनऊ में फिर से शिविर आयोजित होगा जबकि नेशनल नंदिनी नगर में आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान के बार फिर से शोषण की सभी हदें पार कर दी जाएंगी क्योंकि उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इसदौरान संघर्ष में साथ देने वालों का मैं आभार व्यक्त करती हूं।

कड़ी मेहनत कर अपने को साबित करने वालों को ही टीम में जगह मिलेगी : रोहित

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि जो भी खिलाड़ी टीम में जगह बनाना चाहते हैं उन्हें घरेलू क्रिकेट के साथ ही टेस्ट प्रारुप में कड़ी मेहनत कर अपने को साबित करना होगा। इससे साथ ही उनके अंदर इस प्रारुप को खेलने की भूख होनी चाहिये। रोहित का ये बयान उन खिलाड़ियों को एक सख्त संदेह माना जा रहा है जो बिना मेहनत किये ही टीम में जगह बनाने का सपना देखते हैं। रोहित ने कहा कि केवल उन्हीं लोगों का टीम में जगह मिलेगी जो बेहतर प्रदर्शन और सफलता के भूखे हैं। उन्होंने टीम में पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और आकाश दीप की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने कहा, 'जिन लोगों को भूख है हम उन्हीं लोगों को मौका देंगे। अगर किसी में सफलता की भूख नहीं है तो उनको खिलाने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। उन्होंने कहा, 'मैंने यहां टीम में कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा जो भूखा नहीं हो। सभी लड़के जो यहां हैं और जो नहीं हैं, वे सभी खेलना चाहते हैं उनमें सफलता की भूख होनी चाहिये। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में आपको बहुत कम अवसर मौके मिलते हैं पर अगर आप उनका लाभ नहीं उठाते तो वे निकल जाते हैं। हाल में इशान और श्रेयय अय्यर जैसे खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। उसके बाद भारतीय बोर्ड ने कहा था कि सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह बनाने घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उसके बाद रोहित के बयान से साफ है कि घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा सकती। यह पूछने पर कि क्या आईपीएल लीग का आकर्षण युवा खिलाड़ियों के बीच टेस्ट क्रिकेट खेलने की चाहत को प्रभावित कर रही है तब रोहित ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है। यदि आप इस प्रारूप में उत्कृष्टता और सफलता हासिल करना चाहते हैं तो आपको भूख दिखानी होगी। उन्होंने कहा, 'आईपीएल हमारे लिए बहुत अच्छा प्रारूप है लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है और इसमें उत्कृष्टता हासिल करना कठिन है।

संतोष ट्रॉफी फुटबॉल चैंपियनशिप - कर्नाटक को हराकर की टीम मणिपुर शीर्ष पर पहुंची

मिजोरम और रेलवे भी जीती

इटानगर । मणिपुर की टीम ने संतोष ट्रॉफी 2024 राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंच गयी है। मणिपुर ने फाइनल राउंड में गत चैंपियन कर्नाटक को 1-0 से हराकर ग्रुप बी में नंबर एक पर जगह बनायी। मणिपुर को अब तक के अपने तीन मैचों में सात अंक मिले हैं। इससे उसे ग्रुप बी में तीन अंकों की बढ़त मिली। इस मैच का एकमात्र गोल नगांगबाम पाचा सिंह ने 50वें मिनट में पेनल्टी के जरिये किया। मणिपुर की टीम इस मैच में हावी रही। वहीं मिजोरम ने अपने तीसरे संतोष ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज की। एम.सी माल्सावमजुआला और माल्सावमजुआला त्लांगटे ने पहले हाफ में दो-दो गोल किए, इससे पहले एमएस डावंगलियाना ने दूसरे हाफ में एक गोल किया, जिससे उनके लिए स्कोर पांच हो गया। दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में मोहित मित्तल ने दिल्ली के लिए एक गोल किया। इस तरह मिजोरम ने दिल्ली के साथ बराबरी कर ली है, दोनों के तीन मैचों में चार-चार अंक हैं। वहीं ग्रुप बी में सबसे नीचे रहने वाली रेलवे ने महाराष्ट्र के खिलाफ 2-1 की जीत के साथ ही अपनी नॉकआउट क्वालीफिकेशन की दौड़ में वापसी की संभावनाएं बनायी हैं। सुब्रत मुर्मू ने 11वें मिनट में रेलवे को बढ़त दिलाई, जिसके बाद महाराष्ट्र के कप्तान निखिल कदन ने गोल दागकर बराबरी कर ली। हालांकि। रेलकी कि ओर से राजेश ने 73वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत के बाद रेलवे के भी तीन मैचों में चार अंक हो गए हैं।

अब कभी भी आंध्र के लिए नहीं खेलूंगा : हनुमा

मुम्बई । बल्लेबाज हनुमा विहारी ने आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन पर खराब व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वह कभी भी आंध्र प्रदेश की ओर से नहीं खेलेंगे। हनुमा का ये बयान रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में आंध्र के बाहर होने के बाद आया है। टीम को क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के हाथों चार रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आंध्र एसोसिएशन ने अपने पर लगे आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि खिलाड़ियों को जो बातें कही जाती हैं उन्हें मानना होता है क्योंकि उनके कारण ही खिलाड़ी वहां हैं। हनुमा ने कहा वह अब कभी भी आंध्र के लिए नहीं खेलेंगे। इसका कारण है कि यहां उनका आत्मसम्मान खो गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर लिखा, मैं टीम से प्यार करता हूं। जिस तरह से हम हर सत्र में आगे बढ़ रहे हैं, वह मुझे पसंद है पर एसोसिएशन नहीं चाहता कि हम आगे बढ़ें। उन्होंने सीजन की शुरुआत आंध्र के कप्तान के रूप में की थी पर पिछले साल के उपविजेता बंगाल के खिलाफ पहले मैच के बाद उनको पद छोड़ने के लिए कहा गया। उसके बाद बचे हुए सत्र में रिक्की भुई ने टीम की कप्तानी की। उन्होंने कहा, बंगाल के खिलाफ पहले मैच में मैं कप्तान था, उस मैच के दौरान मैं एक खिलाड़ी पर नाराज हुआ जिसके बाद भी मेरे खिलाफ कार्रवाई हुई। साथ ही कहा, हालांकि हमने पिछले साल फाइनलिस्ट बंगाल के खिलाफ 410 रन का पीछा किया था पर इसके बाद भी मुझसे बिना किसी गलती के कप्तानी से इस्तीफा देने के लिए कहा गया। मध्य प्रदेश के खिलाफ पिछले साल के रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच में वह चोटिल होने के बाद भी मैदान में उतरे थे।

सनग्लासेस जो दे आपको स्टाइलिश लुक

अगर आप सनग्लासेस खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी है। यह प्रोटेक्शन के साथ ही आपके लुक को भी बेहतर बनाएगा।

शेप का ध्यान रखें

सनग्लासेस खरीदने के दौरान आपको अपने चेहरे के शेप का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि कई बार लोग सनग्लासेस तो अच्छे खरीदते हैं लेकिन वह उनके फेस पर बिलकुल भी सूट नहीं करता है। आजकल मार्केट में कई तरह से सनग्लासेस मिलते हैं। वहीं ऑनलाइन में अलग-अलग वैरायटी भी मौजूद रहती हैं। इसमें आप अपने फेस के शेप के अनुसार सनग्लासेस चुनने चाहिए। ऑनलाइन में अलग-अलग रंग के सनग्लासेज मिलते हैं। लेकिन इनको खरीदते समय यह जरूर ध्यान रखें कि यह आपकी आखों के चारों तरफ पूरी जगह को कवर कर ले।

सनग्लासेस के लेंस

अगर आप भी सनग्लासेस खरीदने जा रही हैं तो इस बाद का ध्यान रखें कि इसके लेंस पतले हों। बता दें कि पतले लेंस ज्यादा रिफ्लेक्टिव होते हैं। साथ ही यह सूर्य की किरणों को रिफलेक्ट कर आपकी आखों को प्रोटेक्ट करते हैं। इसके अलावा फ्रेम के मटेरियल का भी सोच-समझकर चुनाव करना चाहिए।

यदि आप हैवी सनग्लासेस लेती हैं तो इससे ज्यादा पसीना आने की संभावना होती है। इसलिए अपने कंफर्ट के हिसाब से ही आपको गॉगल्स फ्रेम का मटेरियल सेलेक्ट करना चाहिए।

अगर आप स्टील के फ्रेम वाला सनग्लासेस का चुनाव करती हैं तो इससे पहले यह जानना जरूरी है कि स्टील के फ्रेम धूप में गर्म हो जाएंगे। साथ ही यह आपकी स्किन को भी जला सकता है। या इसके दाग से आपका चेहरा खराब हो सकता है। इसलिए पॉलीकार्बोनेट, प्लास्टिक या नायलॉन का फ्रेम ही चुनना चाहिए।

सनग्लासेस वारंटी

धूप से आंखों की सुरक्षा करने वाले सनग्लासेस खरीदते समय यह भी ध्यान रखें कि यह आपकी आंखों को किस तरह से लाभदायक है। इन्हें खरीदने से पहले पहनकर जरूर देखना चाहिए। इससे आपको यह पता चलेगा कि आपको चश्मे से आपकी आंखों को आराम मिल रहा है या नहीं। साथ ही इसकी वारंटी भी जरूर चेक करें।

नारियल-मलाई निखारे आपकी ब्यूटी

नारियल पीने के बाद हम उसकी मलाई को ऐसे ही फेंक देते हैं। जबकि इसकी मदद से आप अपनी स्किन और बालों दोनों का ख्याल रख सकते हैं। नारियल की मलाई ना केवल आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करती है, बल्कि स्कैल्प को कंडीशन करने के साथ-साथ रूसी से भी निजात दिलाती है। इसकी मदद से बालों की ग्रोथ को भी बूस्ट अप किया जा सकता है।

नारियल की मलाई से आप अपनी स्किन को आसानी से मॉइश्चराइज कर सकते हैं। इसके लिए आप नारियल की मलाई लें और उसे अच्छी तरह मैश करें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करके इस मलाई लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ मिनटों के लिए इसे लगा रहने दें, फिर इसे गर्म पानी से धो लें। आप चाहें तो नारियल की मलाई में थोड़ा सा गुलाब जल भी मिक्स कर सकते हैं।

अपनी स्किन को पैम्पर करने के लिए आप नारियल की मलाई से एक फेस मास्क भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए नारियल की मलाई लें और उसमें थोड़ी मात्रा में शहद मिक्स करें। अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 10-15 मिनट बाद अपने चेहरे को पानी की मदद से वॉश कर दें।

नारियल की मलाई ना केवल आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करती है, बल्कि इससे बालों को कंडीशन करने में भी मदद मिलती है। इसके लिए आप नारियल की मलाई को अच्छी तरह मैश कर लें और फिर इसे अपने बालों में लगाएं। इसे लगाने के बाद आप अपने बालों की हल्के हाथों से मसाज करें। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर इसे शैम्पू और गर्म पानी से धो लें।

अगर आप रूसी से परेशान हैं तो ऐसे में नारियल की मलाई को बतौर स्कैल्प ट्रीटमेंट भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदों के साथ नारियल की मलाई मिक्स करें। अब आप इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, शैम्पू और गर्म पानी से इसे धो लें।

नेल पॉलिश लंबे समय तक कैसे टिके

- नाखूनों को हमेशा साफ रखना चाहिए। नाखूनों को साफ करने और तेल हटाने के लिए नींबू का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- स्किन की तरह नाखून भी रूखे या ऑयली हो सकते हैं। यदि नाखून ऑयली हैं तो उन पर वार्निश नहीं टिकता।
- यदि नाखून कमजोर और बेजान हैं, तो गर्म बादाम का तेल या नारियल का तेल लगाकर और मालिश करें। ऐसा करने से नाखूनों को पोषण मिलता है और वे मजबूत बनते हैं।
- मैनीक्योर के दौरान हाथों को पानी में भिगोने के बाद सुनिश्चित करें कि नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून ठीक से सूख जाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि पानी में हाथ भिगोने से पॉलिश टिकती नहीं है।
- नाखूनों को शेप देने के बाद उन्हें 'बफ' करना न भूलें। एमरी बोर्ड से फाइल करने के बाद बफिंग नाखूनों को चिकना बनाने में मदद करता है। फाइलिंग के बाद अगर किनारे खुरदुरे हैं तो नेल पॉलिश बहुत जल्दी छिलने लगती है।
- नाखूनों पर नीचे से टिप तक स्मूथ स्ट्रोक करते हुए नेल वार्निश लगाएं। प्रत्येक नाखून को फिल करने के लिए तीन स्ट्रोक काफी हैं। पहले इसे नाखून के बीच में और फिर दोनों तरफ लगाएं।

अच्छी क्वालिटी वाली नेल पॉलिश का उपयोग करें। एक समान फिनिश के लिए दो कलर कोट की जरूरत होगी। सबसे पहले सभी नाखूनों पर कलर का एक कोट लगाएं। इसके सूखने का इंतजार करें और फिर दूसरा कोट लगाएं। पॉलिश को पूरी तरह से सुखाना जरूरी है। कहा जाता है कि पॉलिश को पूरी तरह से सूखने में लगभग 8 से 10 मिनट का समय लगता है। इसे जल्दी सुखाने के लिए हीट के इस्तेमाल से बचें। ठंडी हवा का इस्तेमाल करना चाहिए, जैसे पंखा चालू करना।

- धूप से बचाव के लिए नेल पॉलिश के ऊपर एक ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश को टॉप कोट की तरह लगाएं। यह नेल पॉलिश को छिलने से भी रोकेगा। पॉलिश को छिलने से बचाने के लिए आप हमेशा कुछ दिनों के बाद टॉप कोट को टच अप कर सकते हैं।
- क्या आप जानते हैं कि सूर्य नाखूनों को प्रभावित कर सकता है? कुछ पस्टेल कलर, खासकर बेज और पिंक सूर्य के संपर्क में आने के बाद पीले रंग के हो सकते हैं। नाखून भी पीले रंग के हो जाते हैं।
- नाखूनों के पीले होने का सबसे आम कारण है लगातार नेल पॉलिश लगाना। नाखूनों को कभी-कभी बिना पॉलिश किए छोड़ देना चाहिए। पीले रंग को दूर करने के लिए आप पानी में बेकिंग सोडा भी मिला सकते हैं और उसमें अपनी उंगलियों को रोजाना 15 मिनट तक डुबो कर रखें। आप नींबू के टुकड़े भी ले सकते हैं और उन्हें नाखूनों पर रगड़ सकते हैं। या फिर पानी में नींबू का रस मिलाकर उसमें अपने हाथों को 10 मिनट के लिए रोजाना डुबोएं।
- अगर आपके नाखून आसानी से टूट जाते हैं, तो फ्रॉस्टेड नेल पॉलिश से बचें। नाखूनों का फंगल इंफेक्शन काफी आम बात है। अगर कोई इंफेक्शन या दर्द है तो नाखूनों को फाइल करने और नेल पॉलिश के इस्तेमाल से बचें। पहले ट्रीटमेंट करा लें।

मजबूत नाखूनों के लिए डेली डाइट में कैल्शियम, सल्फर, अमीनो एसिड,

- फॉस्फोरस, विटामिन बी और ई होना चाहिए। ये दूध और दूध उत्पादों, साबुत अनाज (अनप्रोसेस्ड गेहूं और चावल), अंडे, अंकुरित अनाज, दाल, बीन्स, मटर, फल और सब्जियों से मिल जाता है।

गर्मी में स्कार्फ कैरी करने के खास तरीके

गर्मी के मौसम में घर से बाहर निकलने पर चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी आपकी रंगत बिगाड़ सकती है। तेज धूप और गर्मी का असर सेहत के साथ ही त्वचा पर भी पड़ता है। इस मौसम में टैनिंग होना आम बात है। आंखों, बालों और त्वचा पर यूवी किरणों का बुरा असर देखने को मिल सकता है। जिससे बचाव के लिए लोग घर से निकलने से पहले खुद को पूरी तरह से कवर कर लेते हैं। साथ ही सनस्क्रीन और अन्य ब्यूटी उत्पादों के जरिए खुद को यूवी किरणों से होने वाली समस्याओं से बचाते हैं। हालांकि इस कारण कई बार आपके स्टाइल में कमी आ जाती है। लोग स्कार्फ या स्टोल के जरिए धूप में तो खुद को कवर कर लेते हैं लेकिन किसी खास जगह पर पहुंचकर रंगत के साथ ही लुक भी खराद दिख सकता है। ऐसे में अगर आप गर्मी के मौसम में चेहरे को ढकने के लिए घर से स्कार्फ बांधकर निकल रहे हैं तो बाद में इसी स्कार्फ से खुद को स्टाइल कर सकते हैं। स्कार्फ को स्टाइलिश और ग्लैमरस तरीके से कैरी करने के कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं।

क्लासिक लूप स्टाइल

स्कार्फ से आपके ड्रेसिंग सेंस में बदलाव आ सकता है। सिंपल और स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो क्लासिक लूप स्टाइल में स्कार्फ को कैरी कर सकती हैं। शर्ट या टॉप के साथ आप अपने लंबाई में बड़े स्कार्फ को गर्दन पर गोल-गोल लपेट लें। अगर आपने प्लेन ड्रेस पहनी है तो कलरफुल और प्रिंटेड स्कार्फ को कैरी कर सकते हैं।

केप रैप स्टाइल

इन दिनों केप स्टाइल लुक ट्रेंड में है। इस तरह से स्कार्फ को ड्रैप करके आप शोल्डर को बेहतर दिखा सकते हैं। स्कार्फ को खोलकर बीच से इस तरह मोड़ें की स्कार्फ का ट्राएंगल शेप बन जाए। अब शोल्डर्स से स्कार्फ को पहनें और फ्रंट में इसके दोनों सिरों पर एक नॉट बांध लें। स्लीवलेस टॉप या कुर्ती के साथ इस तरह के लुक काफी स्टाइलिश लगता है।

बो टाई स्कार्फ

बो लुक ट्रेंड में है। आप गर्मियों में भी स्कार्फ को बो टाई स्टाइल में ड्रैप करके स्टाइलिश दिख सकती हैं। इसके लिए स्कार्फ को गर्दन की पिछली तरफ से ऐसे पहनें कि स्कार्फ का आखिरी सिरा आगे की तरफ हो। अब दोनों किनारों को एक बो की तरह बांध लें।

छत पर रखी टंकी के पानी को गर्मी में ऐसे रखें ठंडा

घर में दिन भर में कई बार पीने के अलावा पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टंकी में पानी को स्टोर करके रखते हैं। आमतौर पर जिन घरों की सीलिंग सीमेंट की होती है, वहां ये टंकी छत पर ही रखी जाती है। ऐसे में गर्मी के मौसम में सूर्य की किरणों से सीधे संपर्क में आने के कारण यह पानी बहुत गर्म हो जाता है। जिससे किचन से लेकर बाथरूम तक में लगे सारे नलों में से गर्म पानी आने लगता है। हालांकि लोग इस समस्या से निपटने के लिए पानी को अलग बाल्टी

में कुछ देर के लिए निकाल कर ठंडा होने के लिए छोड़ देते हैं। लेकिन इसमें बहुत समय लगता है, और हर बार ऐसा करना बहुत मुश्किल भी होता है। ऐसे में आज हम आपको ऐसे उपायों को बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप गर्मी के दिनों में भी टंकी के पानी को ठंडा रख सकते हैं।

टंकी को सफेद रंग से पेंट करें

सफेद रंग में गर्मी को उत्सर्जित करने का गुण होता है। ऐसे में यदि आपके घर की पानी की टंकी काले या नीले रंग की है, तो इसे सफेद रंग से पेंट कर दें। ऐसा करने से इसमें स्टोर किया गया पानी तुलनात्मक रूप से कम गर्म होता है।

टंकी को चारों तरफ से जूट के बोरे से घेर दें

टंकी को गर्म होने से बचाने के लिए आप इसे चारो तरह से जूट के बोरे से घेर सकते हैं। यह टंकी के आसपास चिलचिलाती गर्मी में भी ठंडक को बनाए रखता है, जिससे इसमें रखा पानी गर्म नहीं होता है।

वाटर टैंक कवर का यूज करें

पानी की टंकी को खुला न छोड़े इसे हमेशा ढक कर रखें। इसके साथ ही कवर का इस्तेमाल करें। क्योंकि यह एक विशेष यूवी प्रतिरोधी सामग्री से बने होते हैं, जो अंदर और बाहर दोनों तरफ से टंकी को सूर्य की किरणों से बचाता है।

पानी भरते समय बरते सावधानी

यदि आप ऊपर बताए गए उपायों को नहीं कर पा रहे हैं, तो पानी को गर्म होने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है, कि टंकी को पूरा भरने के बजाय सुबह और शाम की जरूरत के अनुसार दिन में दो बार पानी भरें।

फेशियल का फायदा कितने दिनों में

आमतौर पर महिलाएं महीने में एक या दो बार फेशियल करवाती है। लेकिन अगर आप महीने में दो बार यानि की हर 15 दिन पर फेशियल करवाएंगी तो इससे स्किन को ज्यादा फायदा होगा।

15 दिन में फेशियल

15 दिन में एक बार फेशियल करवाने से आपकी स्किन क्लीन रहती है। इसके अलावा यह पोर्स को साफ करने के साथ ही डेड स्किन को भी हटाता है। ब्लेकहेड्स से लेकर वाइटहेड्स को रिमूव करता है। ऐसे में जब महीने में दो बार स्किन को डैमेज करने वाली चीजों को रिूव किया जाएगा तो आपकी स्किन ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनी रहेगी। जानकारों का मानना है कि फेशियल करवाने को लेकर कोई रूल सेट नहीं है। लेकिन अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप महीने में दो बार फेशियल करवा सकती हैं। इससे आपकी स्किन हाइड्रेशन पाने के साथ ही चेहरे को प्लम्प लुक मिलेगा।

जिन लोगों की स्किन में पोर्स जल्दी क्लॉग हो जाते हैं या जल्दी ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स आ जाते हैं। वह 15 दिन में 2 बार क्लीनप करवा सकते हैं। डॉक्टर के अनुसार, सेंसेटिव स्किन वालों को सोच-समझकर फेशियल करवाना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोगों की स्किन जल्दी इरिटेट हो जाती है। जिसके कारण नई समस्याएं हो सकती हैं।

कैसे काम करता है फेशियल

फेशियल स्किनकेयर ट्रीटमेंट होता है। जिसमें अलग-अलग प्रॉडक्ट्स और टेक्नीक्स इस्तेमाल की जाती हैं। इनके कॉम्बिनेशन की मदद से एक से डेढ़ घंटे के अंदर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

इसके अलावा सूदिंग मास्क एंड क्रीम्स से स्किन को हाइड्रेशन दिया जाता है।

फेशियल के दौरान यूज किए जाने वाले हैंड मूवमेंट्स एजिंग साइन्स को कम करने और फेश के शेप को उभारने में मदद करते हैं।

ऐसे किया जाता है फेशियल

- पहले चेहरे को क्लेंजर से साफ किया जाता है।
- फिर स्क्रब कर स्किन एक्सफॉलिएट की जाती है।
- इसके बाद टैनिंग रिमूव करने के लिए फेस पर 10 से 15 मिनट के लिए मास्क लगाया जाता है।
- खासतौर पर तैयार क्रीम्स से फेस की मसाज की जाती है। मसाजिंग टेक्नीक्स की मदद से स्किन रिलैक्स होने के साथ ही फेस कॉन्टूरिंग पर फोकस किया जाता है।
- फिर चेहरे को साफ कर फेस पैक 10-15 मिनट के लिए अप्लाई किया जाता है।
- लास्ट स्टेप में फेस को साफ करने के बाद फेस क्रीम और सनस्क्रीम लगाई जाती है।

घर पर करें फेशियल

- पहले किसी जेंटल फेस वॉ़श से अपने चेहरे को क्लीन करें।
- इसके बाद होम मेड या मार्केट से खरीदे गए स्क्रब से 5 मिनट कर स्क्रबिंग करें।
- फिर फेस स्टीम लें और मॉइस्चराइजर से चेहरे की 10 मिनट तक मसाज करें।
- इसके बाद चेहरे को साफ करने के बाद चेहरे पर 15 मिनट के लिए फेस पैक अप्लाई करें
- फिर हल्के गुनगुने पानी से फेस को क्लीन करें और क्रीम लगाएं।
- आप लास्ट स्टेप में बादाम तेल या फिर स्किन को सूट करने वाला कोई ऑयल लगाएं।

स्टेट वर्सेस आहूजा सीरीज का हिस्सा बनने पर मुझे संदेह था, लेकिन...

अभिनेत्री अनुरेखा भगत, को खुदा हाफ़िज़- चैप्टर 2- अग्नि परीक्षा, उपन्यास और शाहिद कपूर अभिनीत फर्जी में अपनी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। उन्होंने हाल ही में वॉचो एक्सक्लूसिव सीरीज़ स्टेट वर्सेस आहूजा में अपनी पहली मुख्य भूमिका निभाई। सीरीज में, अभिनेत्री अनुरेखा ने दीपा सावंत नामक एक नौकरानी का किरदार निभाया है, जो बॉलीवुड अभिनेता अंश आहूजा पर बलात्कार का आरोप लगाती है। अभिनेत्री अनुरेखा ने कहा, शुरुआत में, जब मुझे सीरीज की पेशकश की गई थी, तो इसके कॉन्सेप्ट को देखते हुए, यह सीरीज मुझे करना चाहिए या नहीं, इस बारे में मैंने कई बार सोचा। हालाँकि, दीपा का किरदार इतना दमदार था कि मैं हाँ कहने से खुद को रोक नहीं पाई। यह एक ऐसा किरदार है, जिसकी वजह से एक कलाकार के रूप में मैंने कई चुनौतियों का सामना किया। यह किरदार कोई भी अच्छी या बुरी श्रेणियों में पूरी तरह से फिट नहीं बैठता, इसके बजाए वह अपने लिए अलग-अलग परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है। दीपा का किरदार निभाते समय वह विभिन्न परिस्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया करती है, एक कलाकार के रूप मेरे लिए यह एक सीखने का मूल्यवान अनुभव था। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, इस वॉचो एक्सक्लूसिव सीरीज का हिस्सा बनने के बाद मेरे दृढ़ विश्वास को मजबूत करने वाली बात यह थी कि दीपा के किरदार ने मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकाल कर मुझे मेरे तैराकी यानी स्विमिंग के डर से बाहर निकाल ने का अवसर दिया। शो की टीम एक ऐसे कलाकार की तलाश कर रही थी, जो तैरना जानता हो, मुझमें वह कौशल नहीं था, जो मेरे लिए सबसे पहली चुनौती थी। मुझे यह भूमिका खोने का डर था, इसलिए मैंने चुनौती का डटकर सामना किया और एक नजदीकी स्विमिंग कक्षा में दाखिला लिया। इस निर्णय से मुझे न सिर्फ यह भूमिका मिली, बल्कि इसे करने पर खुशी और गर्व भी महसूस हुआ। स्टेट वर्सेस आहूजा सीरीज ने न सिर्फ मुझे अपने डर पर विजय पाने में मदद की, बल्कि एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में मेरे विकास में भी मदद की। स्टेट वर्सेस आहूजा बॉलीवुड के सुपरस्टार अंश आहूजा (अश्मित पटेल) की कहानी है, जिस पर उसकी नौकरानी ने बलात्कार का आरोप लगाया है, जिससे वह विवादों के भंवर में फंस गया है। सीरीज़ मनोरंजक रहस्य, जांच और कोर्ट रूम ड्रामा है, जिसमें ऐसे अप्रत्याशित मोड़ सामने आते हैं, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेंगे। सभी के मन में यह दिलचस्प सवाल उठता है कि क्या अंश ने वास्तव में अपराध किया है या इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है? क्रेसेंडो फिल्म्स और एमिकेबल क्रू के तहत सुरेश थॉमस द्वारा निर्मित इस शो में जसविंदर गार्डनर, सारिका सिंह, स्वप्निल रालकर, अपेक्षा वर्मा, दृष्टि पाटिल, मनीष जेटली, अर्जुन कृष्णा, विक्की बैद्यनाथ और हर्ष गौतम जैसे कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज वॉचो एक्सक्लूसिव पर उपलब्ध है।

भूमि पेडनेकर ने जताई हॉलीवुड में काम करने की इच्छा

हाल ही में एक बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षाओं के बारे में बात कीं। उन्होंने कहा, मेरी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षा है। मुझे लगता है कि कलाकारों के लिए महत्वाकांक्षी होने का यह सबसे अच्छा समय है। भूमि पेडनेकर की बीते दिनों रिलीज हुई फिल्म भक्षक काफी पसंद की गई है। इसमें वे एक पत्रकार की भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म में भूमि एक बालिका गृह में बच्चियों के साथ होने वाले शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। फिल्म में अपने किरदार के लिए अभिनेत्री की खूब तारीफ हुई है। इस बीच भूमि के हॉलीवुड में काम करे की चर्चा चल पड़ी है। हाल ही में खुद भूमि ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

हॉलीवुड डेब्यू पर कही ये बात

हाल ही में एक बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षाओं के बारे में बात कीं। उन्होंने कहा, मेरी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षा है। मुझे लगता है कि कलाकारों के लिए महत्वाकांक्षी होने का यह सबसे अच्छा समय है, क्योंकि दुनिया अब संस्कृतियों, विविधता और प्रामाणिकता का मिश्रण है। भूमि ने आगे कहा कि जिस तरह की सीरीज अब बन रही हैं और कलाकारों के लिए जिस किस्म की भूमिकाएं लिखी जा रही हैं, उससे देखते हुए अब वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी अच्छा करियर बना सकते हैं।

भूमि ने दिया अंबिका का उदाहरण

भूमि ने आगे कहा, ब्राउन लड़कियां अब कई फिल्मों और सीरीज में काम कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम मचा रही हैं। अंबिका मॉड इसका उदाहरण हैं, जिन्होंने नेटफ्लिक्स की वन डे में काम कर दुनियाभर में तारीफ बटोरी हैं। एक भारतीय मूल की लड़की को इतनी सफल सीरीज में मुख्य रोल निभाते देखना शानदार है। उन्हें वैश्विक स्तर पर दर्शकों का प्यार मिला है।

इस फिल्म में आएंगी नजर

भूमि ने कहा कि मेकर्स अब भारत और उपमहाद्वीप से सितारों का चयन कर रहे हैं, अगर किरदार उस क्षेत्र के हैं तो मेकर्स ऐसा ही कर रहे हैं। वे किरदारों को अधिक प्रामाणिक बनाने के लिए ये फैसला ले रहे हैं। भूमि ने कहा कि वे कोई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट तभी चुनेंगी जब वह उन्हें खुशी और संतुष्टि देगा। बात करें भूमि की फिल्म भक्षक की तो ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो मेरी पत्नी का रीमेक उनकी अगली फिल्म है, जिसमें वह अर्जुन कपूर के साथ दिखेंगी।

सलमान खान चाहेंगे तो जरूर बनेगी इंशा अल्लाह

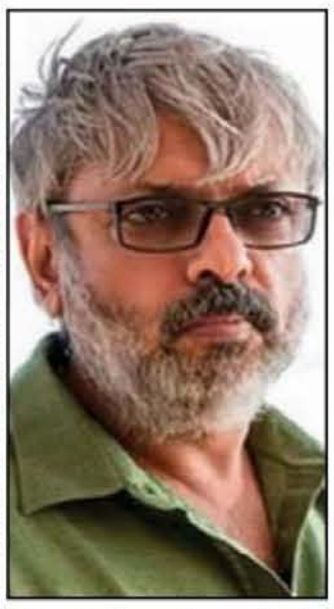

सलमान खान और संजय लीला भंसाली ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। 'खामोशी', 'हम दिल दे चुके सनम', 'सांवरिया' जैसी फिल्मों को देख सभी दर्शक इस डायरेक्टर-एक्टर की जोड़ी को साथ देखना चाहते हैं। कुछ साल पहले 'इंशा अल्लाह' में साथ काम करने की बात उठी थी, अब इस मूवी को लेकर संजय लीला भंसाली ने बहुत बड़ा हिंट दे दिया है। दरअसल, संजय लीला भंसाली तो 'पद्मावत' के बाद ही सलमान खान के साथ काम करना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से बात नहीं बनी। संजय ने ये बात एक इंटरव्यू में कही है। ये इंटरव्यू अब सोशल मीडीया पर खूब शेयर किया जा रहा है। इस वीडियो में संजय लीला भंसाली कहते दिख रहे हैं कि सलमान खान और वो बहुत अच्छे दोस्त हैं। वो 'पद्मावत' के बाद उनके साथ काम करने वाले थे, उन्होंने आगे हाथ भी बढ़ाया मगर बात नहीं बनी। अभी भी जब बात करेंगे तो दोस्तों की तरह ही बात करेंगे। वो आगे कहते हैं- ऐसा नहीं है कि हम एक दूसरे को पसंद नहीं करते, हम अजनबी हैं, हम बात नहीं करते। आज मैं जो भी हूं उसमें उनका बहुत बड़ा हाथ है, मैं इसके लिए उनका हमेशा आदर करूंगा। मगर अब बॉल उनके कोर्ट में है और वो चाहें तो हम साथ काम कर सकते हैं। अगर भगवान चाहेंगे तो इंशा अल्लाह होना होगा तो होगा।

ऑस्कर नामांकित टू किल ए टाइगर की टीम में शामिल हुईं प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा कार्यकारी निर्माता के रूप में ऑस्कर-नामांकित डॉक्यूमेंट्री टू किल ए टाइगर की टीम में शामिल हो गई हैं। निशा पाहुजा की फिल्म एक पिता की न्याय के लिए लड़ाई की कहानी है, जब उसकी 13 वर्षीय बेटी का उसके तीन रिश्तेदारों द्वारा यौन उत्पीड़न किया जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। देव पटेल, मिंडी कलिंग भी कार्यकारी निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं। इसे सोशल मीडिया पर प्रियंका ने एक पोस्ट साझा किया और लिखा कि जब उन्होंने 2022 में टोरंटो में पहली बार इस फिल्म को देखा तो वह इससे प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, अकादमी पुरस्कार-नामांकित डॉक्यूमेंट्री टू किल ए टाइगर की अविश्वसनीय टीम में शामिल होने पर मुझे बहुत गर्व है और यह घोषणा करने के लिए कि नेटफ्लिक्स ने निशा पाहुजा द्वारा निर्देशित इस फीचर के वैश्विक वितरण अधिकार हासिल कर लिए हैं। जब मैंने पहली बार 2022 में यह फिल्म देखी थी तो मैं तुरंत इसकी मार्मिक कहानी से मंत्रमुग्ध हो गई थी, जिसमें अपनी बेटी के लिए न्याय पाने के लिए न्यायिक प्रणाली के भीतर एक पिता के बहादुरी पूर्ण संघर्ष को दर्शाया गया था। प्रियंका ने कहा कि यह परियोजना एक पिता के अपनी प्यारी बेटी के प्रति असीम प्रेम और दृढ़ संकल्प की कहानी दिखाई है। उन्होंने आगे लिखा, कला का यह कठोर नमूना कई स्तरों पर घर को प्रभावित करता है। मेरा जन्म झारखंड राज्य में हुआ था, जहां पीड़िता और उसके पिता हैं और एक ऐसे पिता की बेटी के रूप में, जो हमेशा के लिए मेरे चैंपियन थे। यह कहानी देख मैं भावुक हो गई। मैं दुनियाभर के प्रशंसकों को इस फिल्म की कहानी दिखाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। टू किल ए टाइगर को अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फीचर श्रेणी में नामांकन मिला है। दुनिया भर के विभिन्न फिल्म समारोहों में फिल्म को 24 पुरस्कार मिले हैं। 2023 में निशा पाहुजा को डायरेक्टर्स गिल्ड ऑफ कनाडा के एक्सीलेंस इन डॉक्यूमेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। डॉक्यूमेंट्री ने ऑस्कर शॉर्टलिस्ट में जगह बनाई और संयुक्त राज्य अमेरिका में बिना किसी वितरण के नामांकन भी प्राप्त किया।

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमोशी ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमोशी भी अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब वे फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। इसकी जानकारी शनिवार को नमोशी ने सोशल मीडिया पर साझा की। इसके बाद तमाम लोग नई शुरुआत के लिए उन्हें बधाई दे रहे हैं। इनमें अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल है। बिग बी ने होम प्रोडक्शन की शुरुआत होने पर पोस्ट साझा कर मिथुन चक्रवर्ती को बधाई दी है। नमोशी ने एमवाईआरएनडी मूवीज नाम से अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने अपने प्रोडक्शन के लोगो की झलक दिखाई। साथ ही कैप्शन लिखा, हम सभी के लिए कहानियों में यकीन रखते हैं। पेश है एमवाईआरएनडी मूवीज हमारा होम प्रोडक्शन। हमारी तरह सपने देखने वालों के लिए एक जगह! चलिए स्टोरीटेलिंग के जादू की शुरुआत करें।

जवान डायरेक्टर एटली को नहीं पसंद पैन इंडिया शब्द

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के नामी डायरेक्टर एटली ने साल 2023 शाहरुख खान के साथ जवान लाकर तहलका मचा दिया था। वह अभी भी इस मूवी की सफलता का लुफ्त उठा रहे हैं। इसमें नयनतारा समेत सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर, प्रियामणि जैसे पॉप्युलर एक्टर्स नजर आए थे। इस मूवी को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिला था। डायरेक्टर ने हालांकि एक और गुडन्यूज दे दी थी। बताया था कि वह किंग खान के साथ एक और फिल्म लेकर आएंगे। साथ ही पैन इंडिया के कॉन्सेप्ट पर भी उन्होंने रिएक्शन दिया है। एटली ने एबीपी के कॉन्कलेव में कहा कि वह शाहरुख खान के साथ एक बार फिर से वारसी करेंगे। उनके पास जवान से भी कुछ बड़ा है। एटली से जब इस दौरान पूछा गया कि साउथ में दर्शक हिंदी फिल्मों को स्वीकार क्यों नहीं कर रहे हैं? इसके बारे में धारणा कब बदलेगी? तो इस पर एटली ने मुस्कुराते हुए कहा, सच कहूं तो शोले पूरे देश में बहुत पसंद की जाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि लोगों की धारणाओं को अलग तरह से बर्ताव किया जाता है। डायरेक्टर ने बताया, ऐसा नहीं कि साउथ के लोग हिंदी फिल्में नहीं देख रहे हैं। हमने शाहरुख सर की सभी फिल्में देखी हैं। सलमान सर की सभी फिल्में देखी हैं। ऋतिक सर की फिल्में देखी हैं। 3 इडियट्स साउथ में सबसे बड़ी हिट है। इसलिए, मुझे लगता है कि जो भी अच्छा कंटेंट आता है, हर कोई उसे देखता है और फिल्म बिरादरी से एक प्रोफेशनल व्यक्ति के नाते मुझे पैन इंडिया शब्द पसंद नहीं है। एटली ने आगे कहा, भारत एकता और विविधता की भूमि है और भाषाओं केवल कम्यूनिकेशन का जरिया हैं, ज्ञान का नहीं। इसलिए भारतीय सिनेमा से जो भी अच्छा कंटेंट सामने आ रहा है, उसे हर कोई देख रहा है। उदाहरण के लिए, केजीएफ पूरे देश में सबसे बड़ी हिट थी, लेकिन हिंदी दर्शकों को यह नहीं पता था कि यश कौन है और केजीएफ देखने के बाद यश भारतीय सुपरस्टार बन गए।

दृष्टि धामी ने पोस्ट किया ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो

एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने अपना एक शानदार ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो जारी किया है, जिसमें वह सिंपल कैजुअल से लेकर बेहद ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। प्रशंसक उनकी सुंदरता की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री ने, जो गीत- हुई सबसे पराई और दिल मिल गए जैसे शो में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, रविवार को इंस्टाग्राम पर अपने 31 लाख फॉलोअर्स के लिए एक रील वीडियो साझा किया, जिसमें उनका खूबसूरत लुक ट्रांसफॉर्मेशन दिख रहा है। पहले दृश्य में दृष्टि ने सफेद और नीले रंग का धारीदार टैंक टॉप पहन रखा है, जिसमें कोई मेकअप नहीं है। वह शैगी के बूमबैस्टिक गाने पर होंठ हिलाती दिख रही हैं। इसके बाद वीडियो में उनका ट्रांसफॉर्मेशन दिखाया गया है, जिसमें वह अपना हॉट ग्लैमरस लुक दिखाती नजर आ रही हैं। 39 वर्षीया एक्ट्रेस ने गहरे नेकलाइन के साथ पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहनी हुई है। न्यूड पिंक लिपस्टिक, आँखों में काजल, ब्लश और हाइलाइट किए हुए गाल और आर्कड आईब्रो उनके मेकअप हैं। उन्होंने अपने बालों को साफ-सुथरे जूड़े में बांध रखा है। एक्सेसरीज़ के लिए उन्होंने सोने की चूड़ियाँ, मैचिंग चोकर नेकलेस और झुमके चुने। उनके वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए यूजरों ने सुंदर, सेक्सी जैसी टिप्पणियां लिखीं। एक फैन ने कहा कि प्लीज टीवी शो करो बड़े दिन हो गए। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- मधुबाला। काम के मोर्चे पर, दृष्टि ने आखिरी बार 2023 की वेब सीरीज दुरंगा में अभिनय किया था। उन्होंने गुलशन देवैया-स्टारर शो में इरा जयकर पटेल का किरदार निभाया था।

डॉ. महेश शर्मा ने रोड शो के जरिए की मतदान की अपील

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार डा. महेश शर्मा ने अपने संसदीय क्षेत्र की पांचों विधानसभा नोएडा, दादरी, जेवर, सिकंदराबाद एवं खुर्जा के गांव/ कॉलोनी एवं सैक्टरों में लगभग 6 महीनों से दिन-रात जन संपर्क कर सभी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत राष्ट्र हित के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की। आज दूसरे चरण के मतदान के अंतिम दिन है इस अवसर पर खुर्जा विधानसभा के जटिया अस्पताल खुर्जा से रोड शो का कार्यक्रम शुरू करते हुए जेवर अड्डा-पदम सिंह गेट-कबाड़ी बाजार-ककराला-सुभाष रोड-रमामूर्ति स्कूल होते हुए नेहरू पर चुंगी खुर्जा पर सम्पन्न हुआ। रोड शो कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में क्षेत्रवासियों सहित भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अपने प्रत्याशी डा. महेश शर्मा के जयकारे लगाते रहें। लोगों ने भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा के उपर पुष्प वर्षा की।

रोड शो के दौरान विधायक मीनाक्षी सिंह, पूर्व विधायक विजेन्द्र सिंह, सुनिल, सुरेश शर्मा संयोजक नगर पालिका चेयरमैन अंजना भगवान दास सिंगल, सांसद प्रतिनिधि सत्य प्रकाश सिंह, सुरेश शर्मा, विजय सोलंकी, वेद प्रकाश मलिक, पारूल बंसल, हरजीत सिंह टीटू, जिला उपाध्यक्ष राजीव बंसल, पूर्व चेयरमैन प्रमुख समाजसेवी भगवान दास सिंघल, प्रमुख सुरेन्द्र सिंह मोनिका सिंह सुमन कुमार सिंह एडवोकेट, मण्डल अध्यक्ष नरेश सोलंकी, पुष्पेन्द्र राघव, बिजेन्द्र सिंह, नवीन चौधरी, उधम सिंह, बब्बू गौतम, दीपक गर्ग, डी सी अग्रवाल भारत भूषण गौतम, मनीष शर्मा, सतीष बाल्मिकी,गंभीर सिंह, सुनील चौहान, राजू त्यागी, अजय शर्मा योगेश राघव, राहिल प्रधान, सुधीर चौधरी, राजीव बंसल, प्रेम प्रकाश अरोडा, रवि प्रधान, सुररेन्द्र सिंह प्रधान, जुगेंद्र सिंह प्रधान, उषा शर्मा, जयप्रकाश अग्रवाल, मुकेश राघव, वीरेष शर्मा, सतीष शर्मा, अमित गुप्ता, कृष्ण कुमार सैनी, अवधेष सोलंकी, पवन कुमार, नारायण सिंह सोलंकी, कौषलेष तोमर, दीपक चौहान, राजेष शर्मा, नदीम हुसैन, गौहर प्रधान खान, राहुल सिंह, राम दिवाकर, अनूप षिषौदिया, देषराज राघव, नरेन्द्र सिंह, संतोष राघव समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राधिकरण ने 2 करोड़ की जमीन कब्जा मुक्त कराई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की ओर से भू-माफियाओं के द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण को लेकर सख्त है। बुधवार को प्राधिकरण की टीम ने 2 करोड़ रुपए की जमीन को कब्जा मुक्त कराया।इस जमीन पर गार्डर डालकर मकान बनाया गया था। साथ ही प्लाटिंग की जा रही थी। ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित है। साथ ही प्राधिकरण की अधिग्रहीत जमीन है। प्राधिकरण ने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया और जमीन को कब्जे में लिया।

प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि बुधवार को सर्किल-9 की टीम जेसीबी और स्थानीय पुलिस बल के साथ गुलालवी गांव पहुंची। यहां खसरा संख्या 581 पर भू माफियाओं ने मकान बना रखा था। प्राधिकरण कर्मचारियों ने जेसीबी की मदद से अवैध कब्जे को ध्वस्त किया। ये जमीन सेक्टर-163 और 161 के बीच 30 चौड़े रास्ते के निर्माण में आ रही थी। जिसके अतिक्रमण होने से यहां सड़क का निर्माण बाधित हो रहा था। इस जमीन का एरिया करीब 800

वर्गमीटर है। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

बता दे प्राधिकरण लगातार अवैध निर्माण हटाने की कार्यवाही कर रहा है। एक महीने में 12 स्थलों से अवैध निर्माण को हटाया गया। जिसमें 17 खसरों की करीब 56 हजार 885 वर्गमीटर जमीन जमीन है। ये जमीन सदरपुर, ममूरा, सोरखा, सलरपुर, असदुल्लापुर, मोहियापुर, गढ़ी समस्तीपुर , गुलावली गांव की है। इसकी लागत करीब 236.80 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

'राष्ट्र के इस महापर्व में कल मत का दान जरूर करें'

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य

'पश्चिमी उप्र' मोनिका श्रीवास्तव ने जनपद के सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रहित में सभी 26 अप्रैल को मतदान अवश्य करें। यह आपका संवैधानिक अधिकार है। इसके अलावा राष्ट्रहित में नैतिक कर्त्तव्य भी है। मोनिका ने आम जनता से अपील की है कि अपना वोट देश की सुरक्षा को दें, चौतरफा विकास को दें एवं सामाजिक सुशासन की व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए दें। अपना वोट भारत को दें, अपना वोट नरेंद्र मोदी जी को दें। गौतमबुधनगर प्रत्याशी डा. महेश शर्मा को दें। अपने मताधिकार से आने वाली पीढ़ियों का भी भविष्य सुरक्षित करें।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रवक्ता नीति बाजपेयी तथा सोशल मीडिया प्रभारी रचना जैन ने भी नोएडा के सभी मतदाताओं से अपील की है कि कल 26 अप्रैल को वोट अवश्य करें तथा राष्ट्र के इस महापर्व में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। यश फाउंडेशन एवं स्वीप टीम नोएडा द्वारा मैरीगोल्ड पब्लिक

स्कूल में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह एवं सहायक प्रभारी अधिकारी/जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता सचिन गुप्ता द्वारा युवाओं को मतदान का महत्व बताया तथा हर एक वोट कीमती है, सारे काम छोड दो सबसे पहले वोट दो का नारा दिया। कार्यक्रम में यश फाउंडेशन टीम के साथ स्वीप टीम के मेंबर्स व विद्यालय के अध्यापिका एवं छात्र और छात्राएं उपस्थित रही।

विद्यालय के निर्देशक धीरज गुप्ता द्वारा बताया गया कि लोकतंत्र में भागीदारी हेतु 26 अप्रैल को वोट अवश्य डालें और अपने परिवारजन, पड़ोसियों, दोस्तों व सहकर्मियों को भी मतदान केंद्र जाकर वोट डालने के लिए प्रेरित करें। युवा शक्ति कार्यक्रम में सचिन गुप्ता, संजीव कुमार दहिया, गोपाल गुप्ता, विक्रम सेठी, एन के अग्रवाल, इंदु गुर्जर, रति गुप्ता, एवं अन्य छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

'भाजपा को मतदान का लिया संकल्प'

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेश कुमार प्रजापति के आवास पर प्रजापति

समाज और दलित समाज की बैठक संपन्न हुई। प्रजापति समाज और दलित समाज की संयुक्त बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव पर चर्चा में सभी कार्यकर्ताओ ने शपथ ली कि आगामी लोकसभा चुनाव में वह अपने अधिकार और कर्तव्य का निर्वाह करते हुए पहले मतदान बाद में जलपान का आगाज करते हुए भाजपा के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा को अपना बहुमूल्य मत देकर लाखों वोटों से विजय दिलवाकर सांसद बनाएंगे।

बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता रविकांत मिश्रा, त्रिलोक शर्मा एवं नरेन्द्र चोपड़ा उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं में प्रजापति समाज, दलित समाज एवं किसान मोर्चा के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रजापति समाज से सुरेश कुमार प्रजापति, ललित कुमार प्रजापति, किसान मोर्चा से ओमपाल सिंह, अंकित जाटव, चंद्र पाल प्रजापति, अनिल प्रजापति, गजराज जाटव, दीपक जाटव, दीपक महतो, राहुल जाटव, अंकित जाटव, अंशु प्रजापति, प्रिंस प्रजापति एवं बहुत अधिक संख्या में मातृ शक्ति ने हिस्सा लिया।

भाजपा ने की शहीद भगत सिंह मंडल की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने अपनी टीम के साथ शहीद भगत सिंह मंडल की बैठक ली। यह बैठक मंडल अध्यक्ष रवि प्रधान के नया गांव स्थित कार्यालय में हुई।

बैठक में मंडल के सभी पदाधिकारियों की हर बूथ पर 10 यूथ तैनात करने तथा घर-घर जाकर लोगों को अधिक से अधिक मतदान कराने के निर्देश दिये गये। रवि अवाना ने आश्वासन दिया कि इस मंडल में भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल है इसलिए यहां जमकर मतदान होगा।

इस मौके पर महामंत्री उमेश त्यागी, महामंत्री गणेश जाटव, मंत्री चमन अवाना, मंडल प्रभारी प्रज्ञा पाठक समेत सैकड़ों मंडल व बूथ के पदाधिकारी मौजूद थे।

अधिक से अधिक मतदान के लिए करें प्रेरित: मनोज गुप्ता

प्राचीन बाराही मेला-2024

पुलस्त्य मुनि ने सूरजपुर में स्थापित किया था शिवलिंग

बाराही मेला से जुडी है अनेक किवदंतियां

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित प्राचीन बाराही मेला क्षेत्र में हमारी सभ्यता व संस्कृति की खुशबू बिखेर रहा है। मेले में सांस्कृतिक आयोजन क्षेत्र की जनता के बीच उत्साह पैदा कर रही है। मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीण व जनपद गौतमबुद्धनगर के आसपास के नागकि पहुंच रहे हैं।

सूरजपुर में प्राचीनकालीन बाराही मंदिर है, जंहा इन दिनों बाराही मेला चल रहा है। इस बाराही मंदिर के पीछे कई तरह की किवदंतियां भी है। ऐसे कहा जाता है कि रावण के दादा पुलस्त्य मुनि ने मेला स्थल पर सैकड़ों वर्षो तक तपस्या की थी। वहीं लोगों को वराह और बराही ने दर्शन दिए थे। बताया जाता है कि पृथ्वी को नाश होने से बचाने की वजह से लोगों ने वराह और बराही माता की पूजा करनी शुरू कर दी थी।

शिव मंदिर बाराही मेला समिति के अध्यक्ष चौधरी प्रधान धर्मपाल भाटी ने बताया कि रावण के दादा पुलस्तय ॠषि ने यहां शिवलिंग की स्थापना की थी। यह शिवलिंग आज भी यहां विराजमान है। वहीं, रावण के पिता विश्रवा ॠषि द्वारा स्थापित शिवलिंग भी बिसरख गांव में विराजमान हैं। बिसरख को रावण का गांव माना जाता है जिसे विश्रवा ॠषि के नाम से बसाया गया और आज बिसरख के नाम से जाना जाता है। विश्रवा ॠषि ने यहां बराही मंदिर में तप भी किया था। कहा जाता है कि भगवान शिव ने दर्शन देकर उन्हें कुल पुरोहित बनाया था। उसी समय बाराही देवी की स्थापना की गई थी। उन्हीं की तपस्या का फल है कि बाराही मंदिर परिसर में स्थित चमात्कारिक सरोवर में नहाने से समस्त चर्म रोग खत्म हो जाते हैं। उसी किवंदितयों के अनुसार प्राचीन काल से ही यहां बराही मेले का आयोजन किया जा रहा है। माना जाता है कि जो भी इस मंदिर में मन्नत मांगता है, उसकी मनौती पूरी हो जाती है। यहां तीन मंदिर हैं। इनमें एक वराह और उनकी माता बराही का, दूसरा शिव और तीसरा हनुमान जी का मंदिर है। पहले यहां मां वैष्णों देवी की गुफा भी खासा आकर्षण का केंद्र रह चुकी है।

शिव मंदिर बाराही मेला समिति के महासचिव ओमवीर बैंसला ने बताया कि मेले के दौरान देश के कोने.कोने की संस्कृति की झलक यहां दिखाई देती है और बडी संख्या में लोग यहां मेला देखने के लिए आते हैं।

शिव मंदिर बाराही मेला समिति के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल ने बताया कि शिव पीठ पर यहां सदियों से बाराही मेला लगता चला आ रहा है। सिल्ले का अनाज बेच कर पुराने जमाने में लोग बाराही मेले में दूध जलेबी और चाट पकौडी खाने के लिए आते थे। पहले यह मेला 1 दिन का और फिर 2 दिन का लगता था। जब से शिव मंदिर सेवा समिति ने बाराही मेले की कमान अपने हाथों में संभाली है, भव्य और धूमधाम से पूरे 12 दिन तक मनाया जाता है। शिव मंदिर बाराही मेला समिति के मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि बाराही मेला स्थल रमणिक स्थल को सूरजपुर धाम के रूप में विकसित किए जाने के लिए योजना तैयार की जा रही है। शिव मंदिर सेवा समिति, बाराही माता के भव्य मंदिर का निमार्ण शीघ्र ही करने जा रही है।